मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 237
रविवार, 16 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-4
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

विराट कोहली करेंगे टी20 संन्यास से वापसी, बताया कब खेलेंगे मैच

नईदिल्ली, 15 मार्च। भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े सितारों में से एक विराट कोहली ने हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया था, लेकिन अब उन्होंने एक नई बात कही है, जिससे उनके फैंस में हलचल मच गई है। कोहली ने संकेत दिए हैं कि अगर भारत 2028 ओलंपिक फाइनल में पहुंचता है, तो वह उस एक मैच के लिए संन्यास से वापसी पर विचार कर सकते हैं। कोहली का यह बयान भारत के लिए ओलंपिक पदक की उम्मीदों को लेकर एक नई उम्मीद जगा सकता है।

विराट कोहली ने टी20 विश्व कप फाइनल के बाद इस प्रारूप से संन्यास लेने का ऐलान किया था। इस विश्व कप में भारत ने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को हराकर जीत हासिल की थी, और इसी जीत के बाद कोहली ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से अपनी विदाई की घोषणा की थी। उनके इस फैसले के बाद क्रिकेट जगत में बहुत हलचल मच गई थी, लेकिन अब उनकी वापसी की बात एक नई उम्मीद को जन्म देती है।

कोहली ने कहा, अगर भारत 2028 में ओलंपिक फाइनल तक पहुंचता है, तो मैं उस एक मैच के लिए संन्यास से वापसी पर विचार कर सकता हूँ। यह बयान भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक दिलचस्प संकेत हो सकता है। कोहली का यह मानना है कि ओलंपिक में पदक जीतने का अवसर बेहद खास होगा और वह इसके लिए अपनी पूरी ताकत लगा सकते हैं। विराट कोहली, जो पहले ही क्रिकेट के हर फॉर्मेट में सफलता हासिल कर चुके हैं, ओलंपिक में भारतीय टीम की

मदद करने के लिए तैयार दिख रहे हैं।

विराट कोहली की फिटनेस यात्रा हमेशा से प्रेरणा का स्रोत रही है। कोहली ने अपने शुरूआती दिनों में काफी संघर्ष किया था, लेकिन अपनी फिटनेस पर ध्यान देकर उन्होंने दुनिया के सबसे फिट क्रिकेटरों में अपनी जगह बनाई। कोहली ने बताया कि कैसे उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में संघर्षों के बाद उन्होंने अपनी जीवनशैली में बदलाव किया और फिटनेस को अपनी प्राथमिकता बना लिया। उन्होंने कहा, ₹कुछ कठिन दौरों के बाद मेरे अंदर बदलाव आया, जब मैंने देखा कि दूसरे खिलाड़ी हमसे ज्यादा समय तक मैदान पर टिके रहते हैं। मेरी मां को भी मेरी फिटनेस को लेकर चिंता थी, लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि यह बदलाव मेरे लिए अच्छा है।

आरसीबी के साथ वापसीः आईपीएल 2025 सीजन में नई शुरूआत

विराट कोहली ने हाल ही में आईपीएल 2025 सीजन के लिए आरसीबी टीम में वापसी की। शनिवार को एक वीडियो में उन्हें आरसीबी की जर्सी में देखा गया, जिसमें वह पोज देते हुए दिखाई दिए। आरसीबी द्वारा इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया गया था, और कैप्शन में लिखा गया, ₹किंग यहाँ है और हमेशा की तरह, वह सभी से 2 कदम (कभी-कभी बहुत ज्यादा) आगे है।₹ कोहली की इस वापसी से उनके फैंस में काफी उत्साह है, और वे आईपीएल में उनके शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।

विराट कोहली का हालिया प्रदर्शन भी बहुत प्रभावशाली रहा है। दुबई में आयोजित आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में कोहली ने शानदार खेल दिखाया और भारत को खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पांच मैचों में 54.50 की औसत से 218 रन बनाए। पाकिस्तान के खिलाफ एक नाबाद शतकीय पारी खेली, जिससे भारत को एक महत्वपूर्ण जीत मिली। सेमीफाइनल में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 84 रन बनाए, जिससे भारत की फाइनल में जगह पक्की हुई। आईपीएल 2025 के सीजन के लिए, आरसीबी ने अपनी टीम में कुछ बदलाव किए हैं। पिछले साल की मेगा नीलामी में रजत पाटीदार को आरसीबी का कप्तान नियुक्त किया गया है। पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी के फैंस को नई उम्मीदें हैं और वे टीम के अगले सीजन में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। आरसीबी अपनी आईपीएल 2025 यात्रा की शुरूआत शनिवार को ईडन गार्डन्स में गत चैंपियन केकेआर के खिलाफ करेगी।

41 देशों पर ट्रैवल बैन लगाने की तैयारी में ट्रंप, लिस्ट में भारत के कई पड़ोसी मुल्क

वाशिंगटन, 15 मार्च। टैरिफ वाले ट्रेड वॉर के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब एक और तैयारी में जुट गए हैं। उनके प्रशासन ने 41 देशों पर ट्रैवल बैन लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसमें पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान समेत सीरिया और अन्य देश शामिल हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने कुल 41 देशों की कुल 3 लिस्ट बनाई है। पहली लिस्ट में 10 देशों को शामिल किया गया है, जिसमें अफगानिस्तान, सीरिया, ईरान, क्यूबा और नॉर्थ कोरिया जैसे देश शामिल हैं। इन देशों के नागरिकों को अमेरिका की यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। इस सभी पर पूरी तरह से बैन रहेगा। दूसरे ग्रुप में पूर्वी अफ्रीकी देश इरिट्रिया, हैती, लाओस, म्यांमार और दक्षिणी सुडान का नाम शामिल हैं। इन देश के लोगों पर आंशिक निलंबन लागू रहेगा। जिसका असर टूरिस्ट और स्टूडेंट वीजा के साथ-साथ कुछ अपवादों के साथ अन्य इमीग्रेंट वीजा पर भी पड़ेगा।

चीनी नौसेना का लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान हादसा

बीजिंग, 15 मार्च। चीन से एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, चीन में शनिवार को प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान नौसेना का एक लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना के बाद अधिकारियों द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि हादसे के दौरान विमान से पायलट सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने में कामयाब रहा। चीन में हुए इस हादसे के बाद नौसेना ने एक बयान जारी किया है। नौसेना द्वारा जारी बयान के अनुसार दक्षिणी थिएटर कमांड का जेट विमान दोपहर में हैनान के दक्षिणी द्वीप पर जियालाई शहर के पास एक खुले स्थान पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

धारदार हथियार से महिला की गला रेतकर हत्या, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

प्रयागराज, 15 मार्च। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के गंगा नगर में एक महिला की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। डीसीपी (गंगा नगर) कुलदीप गुनावत ने बताया कि 35 वर्षीय राधा यादव हंडिया थाना क्षेत्र के बरौत कस्बे में अपने मायके में रहकर अपने पिता की देखभाल करती थी। गुनावत के मुताबिक, शुक्रवार को होली का त्योहार मनाने के बाद परिवार के सदस्य रात में अपने-अपने कमरे में जाकर सो गए। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह राधा अपने कमरे में मृत अवस्था में मिली, जिसके बाद परिजनों को पुलिस को इसकी सूचना दी। गुनावत के अनुसार, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि महिला के गले पर किसी धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और पुलिस कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि महिला के करीबी ने घटना को अंजाम दिया है मामले की जांच पड़ताल में पुलिस जुट गई है।

अमृतसर में मंदिर पर हमला आईएसआई की साजिश :पुलिस कमिश्नर

अमृतसर, 15 मार्च। अमृतसर के खंडवाला में ठाकुरद्वारा मंदिर में शुक्रवार देर रात ग्रेनेड अटैक हुआ। दो बाइक सवार लोगों ने मंदिर पर विस्फोटक फेंकी, जिससे धमाका हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को मंदिर की ओर एक संदिग्ध वस्तु फेंकते देखा गया। सीसीटीवी फुटेज में घटना कैद हो गई है। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, तथा घटना की जांच के लिए पुलिसकर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए।

अमृतसर के कमिश्नर जीपीएस भुल्लर ने विस्फोट में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ होने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हमें इस घटना की सुबह 2 बजे सूचना मिली। हम तुरंत मौके पर

पहुंचे। उन्होंने कहा कि फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। हमने सीसीटीवी की जांच की तथा आस-पास के लोगों से बात की। बात यह है कि पाकिस्तान की आईएसआई हमारे युवाओं को पंजाब में अशांति फैलाने के लिए बहकाती है। भुल्लर ने मामले को तेजी से सुलझाने का भरोसा जताते हुए कहा कि हम कुछ ही दिनों में इस मामले का पता लगा लेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। उन्होंने युवाओं को कड़ी चेतावनी भी दी और उनसे अपनी जिंदगी बर्बाद न करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैं युवाओं को चेतावनी देता हूं कि वे अपनी जिंदगी बर्बाद न करें। हम जल्द ही अपराधियों को पकड़ लेंगे। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज जब्त कर ली है और प्रारंभिक जांच के अनुसार मोटर साइकिल सवार युवक के हाथ में झंडा था और ग्रेनेड फेंकने से पहले वे दोनों कुछ देर तक मंदिर के आसपास खड़े थे। पंजाब के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण कर लिया है। मंत्री ने कहा कि कुछ उपद्रवियों ने रात 12 बजे के बाद मंदिर पर ग्रेनेड फेंका। इसमें कोई घायल या हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। दो लोगों की पहचान हो गई है। पुलिस कार्रवाई कर रही है, उन्हें एक दिन के भीतर पकड़ लिया जाएगा। उधर, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर के ठाकुरद्वारा मंदिर पर हुए हमले की भी निंदा की है। उन्होंने कहा कि पंजाब में कानून व्यवस्था ठीक है, लेकिन पंजाब को अस्थिर करने की कोशिशें हो रही हैं। हमारी पुलिस उनसे निपटने के लिए सशक्त है। उन्होंने लोगों को यकीन दिलाया कि ऐसे असमाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

फिर टली वापसीः क्या जल्द धरती पर आ पाएंगी सुनीता विलियम्स? एलन मस्क क्यों हुए असफल

नई दिल्ली, 15 मार्च। अंतरिक्ष से धरती पर सुनीता विलियम्स की वापसी लगभग तय हो गई थी। 12 मार्च के दिन अमेरिकी अंतरिक्ष स्पेस एजेंसी 'नासा' के कैनेडी अं?तरिक्ष सेंटर पर सुनीता को वापस लाने के लिए बाकायदा सारी तैयारियां हो चुकी थीं। एलन मस्क की कंपनी 'स्पेसएक्स' के रॉकेट तैयार थे। लेकिन एन वक्त पर लॉन्चिंग को रोक दिया गया। अंतरिक्ष में पिछले 9 महीने से धरती पर वापसी का इंतजार कर रही सुनीता विलियम्स को एक बार फिर निराशा हाथ लगी।

सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष से धरती पर लाने का जिम्मा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'स्पेसएक्स' के मालिक और अपने दोस्त एलन मस्क को दे रखा है। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा दी गई इस जिम्मेदारी में एलन मस्क की कंपनी एक बार असफल हो गई। अब फिर सुनीता को वापस लाने के लिए जोरदार कोशिशें जारी हैं।

सुनीता विलियम्स को वापस लाने के लिए जो लेटेस्ट प्लान बनाया, उसे ठीक तरह से पूरा नहीं किया जा सका। 'नासा' और एलन मस्क की कंपनी 'स्पेसएक्स' ने मिलकर 9 महीने से अंतरिक्ष में फंसी हुई सुनीता और बुच विल्मोर को वापस लाने की ठानी। इसके लिए स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल का उपयोग किया गया है।

12 मार्च को फ्लोरिडा में बने नासा के स्पेस सेंटर से रॉकेट 'फाल्कन 9' को लॉन्च किए जाने की पूरी तैयारी थी। इसमें चार एस्ट्रॉनॉट को भी रवाना किया जाना था। जिसमें चार अंतरिक्ष यात्री स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होते। इनमें दो अमेरिकी और एक

एक जापान और रूस के अंतरिक्ष यात्री थे। इन्हें सुनीता और विल्मोर की जगह लेना था। स्पेस स्टेशन का हैंडओवर देने के बाद सुनीता और तीन दूसरे सदस्य 16 मार्च को स्पेस स्टेशन से धरती पर आने के लिए रवाना होते। लेकिन दो दिन के लिए यह मिशन टल गया।

स्पेसएक्स का रॉकेट फाल्कन 9 उड़ने के लिए तैयार था, लेकिन एन वक्त पर ग्राउंड क्लैंप आर्म के साथ हाईड्रोलिक सिस्टम में गड़बड़ हो गई। इस सिस्टम की सहायता से रॉकेट को स्ट्रेट खड़ा किया जाता है। उसी से उड़ान भरने के लिए एनर्जी मिलती है, लेकिन गड़बड़ी की वजह से मिशन को लॉन्चिंग से एक घंटे पहले टाल दिया गया। नासा ने मिशन टलने की जानकारी 'एक्स' पर पोस्ट करके दी।

सुनीता विलियम्स को वापस धरती पर लाने के लिए 12 मार्च को जो लॉन्चिंग टली थी। उसमें सिर्फ दो दिनों की देरी हुई है। भारतीय समय के अनुसार 15 मार्च को सुबह 4 बजे के करीब फिर रॉकेट की लॉन्चिंग की जाएगी। नासा भारतीय समयानुसार 16 मार्च की सुबह 7 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से डॉकिंग करेगा।

इससे पहले 13 मार्च को भी फाल्कन 9 रॉकेट लॉन्चिंग की तैयारी थी, पर मौसम खराब हो गया। इस कारण मिशन टालना पड़ा। तकनीकी समस्याओं को सुलझाने में नासा की टीम जुटी हुई है। यदि भारतीय समयानुसार 16 मार्च को फाल्कन 9 रॉकेट की लॉन्चिंग होती है और सबकुछ सफल रहा तो सुनीता विलियम्स व बुच विल्मोर 19 मार्च तक धरती पर वापस आ सकेंगे।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की पृथ्वी से दूरी 400 किलोमीटर है। वायुमंडल हमारी धरती से 100 किमी उंचाई तक है। ऐसे में स्पेस स्टेशन से धरती तक आने में 3 घंटे की अवधि लगती है।

स्पेस स्टेशन से निकलने के बाद सुनीता और बुच का स्पेसक्राफ्ट वायुमंडल में प्रवेश करेगा। यह प्रक्रिया रिस्की रहेगी। वायुमंडल में रीएंट्री के दौरान स्पेसक्राफ्ट की गति 28 हजार किमी प्रतिघंटा से धीमी होना शुरू करेगी। यदि स्पेसक्राफ्ट का कोण सही नहीं रहा, तो यह वायुमंडल में प्रवेश नहीं कर पाएगा। ऐसे में कैप्सूल स्पेस में ही अनिश्चित समय के लिए रह जाएगा। 'नासा' के अनुसार दूसरी दिक्कत यह कि स्पेसक्राफ्ट का वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद जो घर्षण होगा, उससे उत्सर्जित गर्मी 1500 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की जो सकती है। हालांकि स्पेसक्राफ्ट के आगे टाइल्स और कार्बन फाइलबर कंपोजिट की बनी विशेष हीट शील्ड लगी रहती है। फिर भी तकनीकी खराबी आ गई, तो समस्या हो सकती है।

लखनऊ में पकड़ी गई थाईलैंड की 10 महिलाएं, संदिग्ध गतिविधियों की जांच जारी

लखनऊ, 15 मार्च उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। यहां अवैध रूप से रहने के आरोप में पुलिस ने 10 विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। ये सभी महिलाएं थाईलैंड की रहने वाली हैं और बिना वैध दस्तावेजों के यहां रह रहीं थीं। लखनऊ के शक्ति हाइट्स अपार्टमेंट में रह रहीं इन महिलाओं के साथ पुलिस ने मकान मालिक और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ विदेशी महिलाएं अवैध रूप से चिनहट के मल्हौर क्षेत्र में स्थित शक्ति हाइट्स अपार्टमेंट में रह रही हैं। जिसके बाद पुलिस की छापेमारी में छह अलग-अलग अपार्टमेंट्स में 11 विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में महिलाएं फ्लैट मिलने को लेकर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाईं। केवल एक महिला के पास रेंट एग्रीमेंट था। जबकि बाकी महिलाएं दस्तावेज नहीं दे पाईं। पुलिस ने बताया कि अपार्टमेंट के मालिक शक्ति सिंह भी महिलाओं के रहने से संबंधित दस्तावेज नहीं दे पाए। शक्ति सिंह किराए के समझौते, विदेशी नागरिकों के पंजीकरण से जुड़े फॉर्म (जो कि विदेशी पंजीकरण नियम 14 के तहत आवश्यक होता है) और उनके ठहरने के उद्देश्य से जुड़े अन्य दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाए। पुलिस ने इस मामले में अपार्टमेंट के मालिक शक्ति सिंह, एक अन्य व्यक्ति आर्चित और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। साथ ही मामले की जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस इस बात का भी पता लगा रही है कि इन महिलाओं का भारत आने का उदेश्य क्या था और क्या वे किसी अवैध गतिविधि में संलिप्त थीं।

'इंडसइंड बैंक के पास पर्याप्त पूंजी, जमाकर्ताओं को चिंता करने की जरूरत नहीं': आरबीआई

नई दिल्ली, 15 मार्च। इंडसइंड बैंक में चल रहे संकट के बीच देश के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने एक बयान जारी किया है। इस बयान में रिजर्व बैंक ने कहा है कि इंडसइंड बैंक वित्तीय रूप से स्थिर है और बैंक के पास पर्याप्त मात्रा में पूंजी है, इसलिए जमाकताओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है। रिजर्व बैंक के बयान में बताया गया कि बैंक के वित्तीय नतीजों की ऑडिटर द्वारा समीक्षा की गई, जिसमें पता चला है कि 31 दिसंबर 2024 को खत्म हुई तिमाही में बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है और इसका पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.46 प्रतिशत है, वहीं प्रावधान कवरेज अनुपात 70.20

प्रतिशत है। रिजर्व बैंक के अनुसार, इंडसइंड बैंक का 9 मार्च 2025 तक लिक्विडिटी कवरेज अनुपात 113 प्रतिशत है, जबकि विनियामक नियमों के तहत ये 100 प्रतिशत होना चाहिए। रिजर्व बैंक ने शनिवार को इंडसइंड बैंक के बोर्ड से भी कहा कि वे चालू तिमाही के दौरान बैंक द्वारा घोषित 2,100 करोड़ रुपये की भारी-भरकम अकाउंटिंग विसंगति के खुलासे के बीच सुधारात्मक कार्रवाई पूरी करे। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह की शुरूआत में, इंडसइंड बैंक ने अकाउंटिंग में गड़बड़ी का खुलासा किया था, जिससे बैंक की नेटवर्थ पर 2.35 प्रतिशत का अनुमानित प्रभाव पड़ा था। इस खुलासे के तुरंत बाद, बैंक के शेयरों में भी भारी गिरावट देखी गई। सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बैंक ने पहले ही अपने मौजूदा सिस्टम की व्यापक समीक्षा करने और वास्तविक प्रभाव का आकलन करने के लिए एक बाहरी ऑडिट टीम को नियुक्त कर लिया है। इंडसइंड बैंक के शेयर मंगलवार को 27.06% गिरकर 656.80 रुपये पर गिरकर बंद हुए। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बड़ी बताई जा रही है। इससे बैंक का मार्केट कैप 2.35 प्रतिशत कम हो गया। बैंक पर निवेशकों का भरोसा कमजोर पड़ा तो लोगों ने शेयर बेचने शुरू कर दिए, जिससे बैंक के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई।

हेडफोन-गेमिंग से बच्चों के बहरे होने का खतरा

-ललित गर्ग

टेक्नोलॉजी विकास एवं उससे जुड़े नये-नये उपकरण आधुनिक जीवनशैली को भले ही बहुत आसान कर दिया हो लेकिन इसके अनियंत्रित उपयोग से भारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जॉब करने वाले माता-पिता अपना टाइम बचाने एवं सुविधा के लिए बच्चों को छोटी उम्र में ही फोन और हेडफोन का उपयोग करने के लिए देते हैं। लेकिन ये उपकरण उनके बच्चों के लिए कितने नुकसानदायक एवं खतरनाक है इसका खुलासा नये-नये अध्ययनों से सामने आ रहा है, जो चिन्ताजनक एवं डरावना है। ऐसे ही एक अध्ययन में यह आशंका जतायी गयी है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और वे बधिरता से ग्रस्त होते जा रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पिछले कई महीनों में बच्चों के कानों में दर्द, सुनने में परेशानी, बधिरता और संक्रमण की शिकायतें बहुत बढ़ गयी है। वहीं डॉक्टर्स का कहना है कि इन उपकरणों के उपयोग से कानों पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है और घंटों तक तेज आवाज सुनने से सुनने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को सतर्क किया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों एवं युवाओं में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे एवं युवा जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर में यह समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे एवं युवा अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक विश्वव्यापी आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है, इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो बहरों की दुनिया बनने से रोकना मुश्किल हो जायेगा।

विज्ञान के अनुसार, हमारे कानों के सुनने की क्षमता निर्धारित है। हमारे कानों के लिए 40 से 60 डेसिबल सुनने की क्षमता निर्धारित की है जो सही है, लेकिन इससे ऊपर यानी 85 से 100 डेसिबल साउंड कानों के लिए खतरनाक है। यूं तो बहरापन उम्र के साथ आता है लेकिन पिछले कुछ दशकों में कम सुनाई देने वाली बहरेपन की समस्या तेजी से युवाओं और बच्चों को अपना शिकार बना रही है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जाहिर की है। युवाओं एवं बच्चों में बढ़ते मोबाइल एवं ईयरफोन के प्रचलन एवं तेज आवाज में गाने एवं संगीत सुनने की लत से पिछले कुछ सालों में बहरेपन का संकट बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो पिछले दशकों में दुनिया में 3.4 करोड़ से अधिक बच्चों में कम सुनाई देने की क्षमता के केस सामने आए हैं। यह दुनिया की एक भयावह एवं चुनौतीपूर्ण समस्या की ओर बढ़ने का संकेत है, एक पूरी पीढ़ी के बहरे होने की चुनौती को खड़ा कर रहा है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में नित-नये आ रहे बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील ने बच्चों को मोबाइल-लेपटॉप-ईयरफोन का आदी बना दिया है। तेज आवाज का संगीत व तरह-तरह के कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय-समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए। हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि सामान्य तौर पर 60 साल के बाद लोगों में सुनने की क्षमता कम होने लगती है। लेकिन जिस तरह की जीवनशैली आज के युवा एवं बच्चे अपना रहे हैं, उससे कम उम्र में ही ये क्षमता कमजोर हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह ईयरफोन और हैडफोन को बताया जा रहा है। नए जमाने में हैडफोन और ईयरफोन भले ही काफी उपयोगी हों लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से युवा एवं बच्चे बहरेपन के रिस्क में आ रहे हैं। माना जा रहा है कि जितने ज्यादा डेसिमल में हैडफोन यूज किया जाएगा, उतना ही ज्यादा कानों को नुकसान होगा। जिस तरह से आजकल के युवा एवं बच्चे हैडफोन और ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे उनके कान तेज आवाज के संपर्क में लगातार रहते हैं और इससे कान की नाजुक मांसपेशियों को नुकसान पहुंच रहा है एवं बहरेपन की समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।

दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन, लेपटोप, हैडफोन और ईयरफोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां-बाप एवं शिक्षकों की नसीहतों एवं हिदायतों पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल-कालेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। सरकार भी इसके लिये जागरूक करे। विभिन्न सूचना माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को जागरूक करने के लिये मुहिम चलाना भी कुछ लाभ जरूर मिल सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि हरदम कानों पर मोबाइल व ईयरफोन तथा बड्स आदि लगाना स्टेटस सिंबल बन गया। व्यक्ति खुद व्यस्त होने का दिखावा करता रहता है। वैसे भी महानगरों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खतरों को लेकर समाज में जागरूकता के प्रचार-प्रसार की सख्त जरूरत होती है। बच्चों को लेकर अभिभावकों व शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनके लंबे जीवन पर बहरेपन का संकट मंडराने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। आधुनिक सुनने के उपकरणों एवं तेज आवाज से कान की नसों और हियरिंग सेल्स को नुकसान हो सकता है, जिससे बहरापन भी हो सकता है। एक समय था जब कम सुनाई देने की शिकायत बुजुर्ग किया करते थे, लेकिन बदलती जीवनशैली के कारण कम उम्र में भी लोगों में यह समस्या होने लगी है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से सुनने की क्षमता को बेहतर बनाया जा सकता है। मानव जीवन में सुनने की क्षमता का अक्षुण्ण रहना जीवन की परिपूर्णता का परिचायक है। इस सचाई को नहीं नकारा जा सकता कि श्रवण यानी सुनने की क्षमता जीवन को नया आकार देने, मानसिक दरिद्रता का निवारण करने तथा ऊंचे ध्येय की पूर्ति हेतु आगे बढ़ने की सही चाबी है। जैसे दवा रोग नाशक होती है, पर गलत दवा के सेवन से रोग घटने की अपेक्षा अधिक बढ़ जाता है, वैसे ही गलत जीवनशैली, गलत तरीके से जीने, गलत तरीके से सुनने की क्षमता का उपयोग करने, अनियंत्रित शोर-शराबे को सुनने से जीवन में विकृतियां एवं परेशानियां घुस जाती है और अनेक तरह के श्रवण रोगों का हमला होने लगता है। इसलिये सुनने की क्षमता का सम्यक उपयोग जरूरी है। देखना और सुनना- ये दोनों ही जीवन-विकास एवं ज्ञान-वृद्धि के माध्यम है। पर सुनना अधिक शक्तिशाली साधन है, क्योंकि आंखों में जो दृश्य प्रतिबिम्बित होते हैं, वे तात्कालिक होते हैं। श्रवण-पथ से ही हम ज्ञान के साथ-साथ दीर्घकालिक अनुभवों को आत्मसात कर सकते हैं। इसलिये श्रवण-पथ या सुनने की क्षमता पर हो रहे हमलों को हम गंभीरता से ले अन्यथा सुनने की पंगुता हमारे जीवन का अभिशाप बन सकती है।

'राष्ट्रीय एकता कमजोर करते है तमिलनाडु सरकार के ऐसे फैसले'

अशोक भाटिया

तमिलनाडु में हिंदी पर मचे घमासान के बीच मुख्यमंत्री स्टालिन ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने हिंदी में रुपया का चिह्न '?' हटा दिया है। बताया जा रहा है कि हिंदी के अक्षर की जगह इसे तमिल अक्षर से बदल दिया गया है। ये फैसला ऐसे समय में लिया गया, जब स्टालिन चेन्नई से लेकर दिल्ली तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करके हिंदी थोपने का आरोप लगा रहे हैं। तमिलनाडु सरकार ने 2025-26 के लिए बजट के लिए जो प्रचार सामग्री तैयार की, उसमें 'रुपये' का चिह्न तमिल अक्षर से बदल दिया गया। इसे आज विधानसभा में पेश किया जाएगा। हालांकि इसको लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं बताया गया है। मीडिया से बात करते हुए भाजपा प्रवक्ता नारायण तिरुपति ने कहा कि रुपये का सिंबल तो पूरे देश के लिए एक है। उन्होंने कहा कि स्टालिन के इस कदम से लग रहा है मानो वो कहना चाहते हैं कि 'तमिलनाडु भारत से अलग है।'तमिलनाडु मुख्यमंत्री स्टालिन केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति को 'भगवा नीति' बता चुके हैं। उन्होंने कहा था, 'एनईपी कोई शिक्षा नीति नहीं, यह भगवा नीति है। इसका इसका उद्देश्य भारत का विकास करना नहीं, बल्कि हिंदी का विकास करना है। हम एनईपी का विरोध करते हैं क्योंकि यह शिक्षा क्षेत्र में तमिलनाडु की प्रगति को पूरी तरह से नष्ट कर देगी।'

स्टालिन का कहना है कि एनईपी आरक्षण को स्वीकार नहीं करती जो कि सामाजिक न्याय है। उनका आरोप है, 'एनईपी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्गों को सहायता राशि देने से इनकार करती है'। बीजेपी पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने कहा कि पिछले 10 सालों में तमिलनाडु का विकास बुरी तरह प्रभावित हुआ है।तमिलनाडु सरकार ने जब नई शिक्षा नीति के प्रमुख पहलुओं खासतौर पर तीन भाषा फॉमूर्ले को लागू करने से इनकार कर दिया तो केंद्र सरकार ने राज्य को समग्र शिक्षा अभियान (SSA) के तहत दी जाने वाली सहायता राशि की 573 करोड़ रुपये की पहली किस्त पर रोक लगा दी। जिसके बाद स्टालिन केंद्र पर भड़के हुए हैं। नीति से जुड़े नियमों के अनुसार, सर्व शिक्षा अभियान के लिए वित्तीय सहायता हासिल करने के लिए राज्यों का एनईपी के दिशा-निर्देशो पर अमल करना अनिवार्य है। एनईपी 2020 में प्रस्तावित तीन भाषा फॉमूर्ला कहता है कि छात्रों को तीन भाषाएं सीखनी चाहिए, जिनमें से कम से कम दो भारतीय मूल भाषा होनी चाहिए। यह फॉमूर्ला सरकारी और प्राइवेट दोनों स्कूलों पर लागू होगा और राज्यों को बिना किसी दबाव के भाषाएं चुनने की छूट देता है। इसमें स्पष्ट लिखा हुआ है कि किसी भी राज्य पर कोई भी भाषा नहीं थोपी जाएगी। यहां तक कि छात्र खुद सीखने के लिए कोई तीन भाषा चुन सकते हैं, लेकिन इनमें से दो भाषाएं भारतीय होनी चाहिए।

रुपये का चिह्न तमिल अक्षर से बदलने के इस मामले को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुरी तरह भड़की हुई है । उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार का रुपये के चिन्ह को हटाने का कदम खतरनाक मानसिकता का संकेत है, जो देश की एकता को कमजोर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि रुपये का चिन्ह मिटाकर डीएमके न केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक को खारिज कर रही है, बल्कि एक तमिल युवा के रचनात्मक योगदान की भी अवहेलना कर रही है।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर लिखा, यह एक खतरनाक मानसिकता का संकेत है जो देश की एकता को कमजोर करता है और क्षेत्रीय गौरव के बहाने अलगाववादी भावनाओं को बढ़ावा देता है।।। उन्होंने कहा, ह्यह्यरुपये का प्रतीक चिह्न अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छी तरह से पहचाना जाता है और वैश्विक वित्तीय लेनदेन में भारत की पहचान के रूप में काम करता है। ऐसे समय में जब भारत यूपीआई का उपयोग करके सीमापार भुगतान पर जोर दे रहा है, क्या हमें वास्तव में अपने स्वयं के राष्ट्रीय मुद्रा प्रतीक को कमतर आंकना चाहिए? अगर डीएमके को से दिक्कत है, तो उसने 2010 में इसका विरोध क्यों नहीं किया, जब इसे आधिकारिक तौर पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के तहत अपनाया गया था, उस समय जब डीएमके केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा थी।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, ह्यह्यवास्तव में, इंडोनेशिया, मालदीव, मॉरीशस, नेपाल, सेशेल्स और श्रीलंका सहित कई देश आधिकारिक तौर पर 'रुपया' या इसे मिले-जुले नाम को अपनी मुद्रा के नाम के रूप में उपयोग करते हैं .... उन्होंने कहा, सभी निर्वाचित प्रतिनिधि और अधिकारी संविधान के तहत हमारे राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ लेते हैं। राज्य बजट दस्तावेजों से रुपये के चिन्ह जैसे राष्ट्रीय प्रतीक को हटाना उस शपथ के खिलाफ है। यह राष्ट्रीय एकता के प्रति प्रतिबद्धता को कमजोर करता है। इसके अलावा, तमिल शब्द रुपाई की जड़ें संस्कृत शब्द रुपया से गहाई से जुड़ी हैं, जिसका अर्थ है गढ़ी हुई चांदी या ऐसा चांदी का सिक्का जिस पर काम हुआ हो। यह शब्द तमिल व्यापार और साहित्य में सदियों से चलता आ रहा है और आज भी, रुपाई तमिलनाडु और श्रीलंका में मुद्रा का नाम बना हुआ है।

हालांकि भाषा की राजनीति करते हुए " तमिल भाषा में " को बजट से हटाने वाली तमिलनाडु सरकार ने ये ध्यान देना जरूरी नहीं समझा कि रुपये के इस सिंबल को एक तमिल ने ही डिजाइन किया था। खास बात यह है कि इस सिंबल को डिजाइन करने वाले उदय कुमार धर्मलिंगम के पिता भी उ्रटङ के नेता थे। उदयकुमार धर्मलिंगम एक भारतीय शिक्षाविद् और डिजाइनर हैं, जिन्होंने भारतीय रुपये के प्रतीक चिह्न को डिजाइन किया था। उनका जन्म 10 अक्टूबर 1978 को तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में हुआ था वे चेन्नई, तमिलनाडु के निवासी हैं और आईआईटी गुवाहाटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उदयकुमार धर्मलिंगम के पिता एन धर्मलिंगम डीएमके के विधायक रह चुके हैं। उदयकुमार धर्मलिंगम देश के नामी डिजाइनर हैं। जब उदय ने ये प्रतियोगिता जीती थी तो एन धर्मलिंगम ने कहा था कि ये उनके लिए बेहद गर्व का क्षण है। मेरे बेटे ने तमिलनाडु के लिए गौरव लाया है।

उदयकुमार धर्मलिंगम ने रुपये के प्रतीक का डिजाइन देवनागरी के 'र' और रोमन अक्षर 'फ' को मिलाकर बनाया, जो भारतीय तिरंगे से प्रेरित है और इसे अन्य मुद्राओं से अलग दिखाने के लिए डिजाइन किया गया था। इस डिजाइन को 15 जुलाई 2010 को भारत सरकार द्वारा जनता के सामने प्रस्तुत किया गया। यह प्रतीक एक खुली प्रतियोगिता के माध्यम से चुना गया था, इसके लिए वित्त मंत्रालय ने प्रतियोगिता आयोजित की थी। इसके लिए 3,331 आवेदन आए थे।जिसमें उदयकुमार का डिजाइन पांच फाइनलिस्ट डिजाइनों में से विजेता रहा। उन्होंने बताया था कि यह डिजाइन भारतीय तिरंगे से प्रेरित है और इसमें देवनागरी लिपि के 'र' और रोमन लिपि के 'फ' को मिलाकर बनाया गया है, साथ ही एक क्षैतिज रेखा भी शामिल है जो समानता और राष्ट्रध्वज को दर्शाती है। उदयकुमार का यह योगदान भारतीय मुद्रा को वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण रहा। तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष अन्नामलाई ने कहा कि 2025-26 के लिए डीएमके सरकार के बजट में रुपये के चिह्न बदल दिया गया है। इस डिजाइन को एक तमिल ने डिजाइन किया गया था।जिसे पूरे भारत ने अपनाया और हमारी मुद्रा में शामिल किया। इस प्रतीक को डिजाइन करने वाले थिरु उदयकुमार, डीएमके के एक पूर्व विधायक के बेटे हैं। आप कितने मूर्ख हो सकते हैं, थिरु स्टालिन।ह्नबीजेपी नेता तमिलिसाई ने कहा कि रुपये का चिह्न बदलने वाले स्टालिन साहब को सबसे पहले अपना नाम बदलकर स्टालिन में करना चाहिए।

तमिलनाडु का हिंदी विरोधः भाषा या राजनीति?

हिंदी भाषा की संवैधानिक अहमियत:-

तमिल भाषा या किसी भी अन्य भाषा के सम्मान को ठेस पहुँचाए बिना, यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि हिंदी भारत की राजभाषा है और इसका सम्मान हर भारतीय का कर्तव्य है। जो तमिलनाडु या अन्य किसी स्थान पर हिंदी का विरोध करते हैं, वे भारत की सांस्कृतिक एकता को नुकसान पहुँचा रहे हैं।

हिंदी केवल उत्तर भारत की भाषा नहीं, बल्कि संपूर्ण देश को जोड़ने वाली एक सशक्त कड़ी है। इसका विरोध करना न केवल संकीर्ण मानसिकता को दर्शाता है, बल्कि भारत की विविधता में एकता की भावना के विरुद्ध भी जाता है। यदि तमिल भाषा को सम्मान प्राप्त है, तो हिंदी को भी उसी आदर के साथ स्वीकार करना चाहिए।

भाषा विरोधियों को यह समझना चाहिए कि हिंदी सीखने या अपनाने से किसी की मातृभाषा को खतरा नहीं होता। बल्कि यह एक अतिरिक्त भाषा सीखकर अपनी संस्कृति और ज्ञान को समृद्ध करने का अवसर प्रदान करता है। हिंदी का विरोध करने वाले राष्ट्र की अखंडता और समरसता को चोट पहुँचाते हैं, और उनकी यह मानसिकता संकीर्ण व अव्यावहारिक है।

भाषाएँ संवाद का माध्यम हैं, विभाजन का नहीं। इसलिए, जो लोग हिंदी का विरोध कर रहे हैं, उन्हें अपने दृष्टिकोण में व्यापकता लाने की आवश्यकता है, अन्यथा वे स्वयं को ही सीमित कर रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा की स्थिति:-

हिंदी भाषा आज वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। डिजिटल क्रांति, प्रवासी भारतीयों की सक्रियता, शिक्षा और व्यापार में हिंदी की स्वीकार्यता से यह भाषा आने वाले वर्षों में और अधिक प्रभावशाली होगी। हिंदी के वैश्विक प्रसार को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह आने वाले समय में और सशक्त अंतरराष्ट्रीय भाषा बन सकती है। यह न केवल भारत की राजभाषा है, बल्कि इसे विश्वभर में करोड़ों लोग बोलते, लिखते और पढ़ते हैं। आज पुनः हिंदी का विरोध प्रदर्शन तमिलनाडु से उठा है जो पूरी तरह से राजनीतिक ड्रामा के अलावा और कुछ नहीं है। इस बार उनके विरोधी स्वर को वहां की जनता स्वयं कुचल देने के मूड में हैं। हमारे तमिल नाडु के युवा हिंदी के अंतराष्ट्रीय स्तर को देखते हुए हिंदी सीखने के लिए लालायित हैं। मुझे विश्वास है कि तमिलनाडु का युवा हिंदी की वर्तमान स्थिति के महत्व को समझकर इस विरोधी स्वर को दबाने का प्रयास करेगा क्योंकि वह जानता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में निर्धारित त्रिभाषा सूत्र किसी राज्य को ध्यान में रखकर नहीं बनाया गया है बल्कि यह पूरे देश के लिए बनाया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भाषिक संकल्पना:-

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन भाषाओं में पठन-पाठन की नीति है. इसमें सरकार ने प्रस्तावित किया कि माध्यमिक स्तर तक हिंदी भाषी राज्यों में छात्र हिंदी और अंग्रेजी के अलावा दक्षिणी भाषाओं में से एक और गैर-हिंदी भाषी राज्यों में क्षेत्रीय भाषा और अंग्रेजी के साथ हिंदी सीखें। राजीव गांधी सरकार में 1986 में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति और नरेंद्र मोदी सरकार में 2020 में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी यही फामूर्ला है। साल 1986 की एनईपी के विपरीत 2020 की एनईपी में हिंदी का कोई उल्लेख नहीं है। इसमें कहा गया है कि बच्चों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाएं राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से स्वयं छात्रों की पसंद की होंगी, बशर्ते कि तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारतीय मूल की भाषाएं हों। हालांकि इसके बाद भी तमिलनाडु सरकार इसे हिंदी थोपने का प्रयास बता रही है। इसी को लेकर केंद्र और तमिलनाडु सरकार में ठन गई है. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि अगर तमिलनाडु नई शिक्षा नीति को लागू नहीं करता है तो उनकी सरकार उसे समग्र शिक्षा अभियान के तहत वित्तीय मदद नहीं देगी। जो कोई गलत भी नहीं है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन और कुछ तथा कथित राजनेता इसे ब्लैकमेलिंग बता कर लोगों को गुमराह कर रहे है।

तमिलनाडु का हिंदी विरोध:-

हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और डीएमके (द्रविड़ मुनेत्र कड़गम) द्वारा हिंदी भाषा का विरोध फिर से चर्चा में आया है। डीएमके और अन्य दक्षिण भारतीय क्षेत्रीय दल लंबे समय से हिंदी को 'थोपे जाने' का आरोप लगाते रहे हैं। लेकिन क्या यह वास्तव में हिंदी विरोध है, या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई में बनी नई शिक्षा नीति (NEP) का राजनीतिक विरोध? यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि तमिलनाडु के आम नागरिक, विशेष रूप से युवा, राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार पाने के लिए हिंदी सीखने के इच्छुक हैं।

हिंदी का विरोध या नई शिक्षा नीति का?

तमिलनाडु की राजनीति में हिंदी का विरोध कोई नया विषय नहीं है। 1965 में जब केंद्र सरकार ने हिंदी को अनिवार्य भाषा बनाने का प्रस्ताव दिया था, तब तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। यह विरोध इतना व्यापक था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को हस्तक्षेप करना पड़ा और यह आश्वासन देना पड़ा कि अंग्रेजी भी बनी रहेगी।

तमिल युवाओं के लिए हिंदी क्यों जरूरी?

तमिलनाडु के लाखों युवा सरकारी नौकरियों की तैयारी कर रहे हैं, जिनमें वढरउ, बैंकिंग, रेलवे, ररउ जैसी परीक्षाएं शामिल हैं। ये परीक्षाएं हिंदी और अंग्रेजी में होती हैं, और हिंदी जानने वाले छात्रों को अक्सर फायदा होता है।

इसके अलावा, बॉलीवुड, टेलीविजन और डिजिटल मीडिया में हिंदी का दबदबा है। तमिल फिल्मों के कई सुपरस्टार, जैसे रजनीकांत और कमल हासन, हिंदी फिल्मों में भी सफल रहे हैं। पर्यटन उद्योग में भी हिंदी जानने वाले गाइड और होटल कर्मचारी अधिक मांग में हैं।

क्या हिंदी विरोध तमिलनाडु के हित में है?

अगर तमिलनाडु त्रिभाषा सूत्र को पूरी तरह अस्वीकार करता है, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान खुद तमिल युवाओं को होगा। वे राष्ट्रीय स्तर की नौकरियों में पीछे रह जाएंगे और हिंदी भाषी राज्यों के छात्र इस प्रतियोगिता में आगे निकल जाएंगे।

राजनीतिक दलों के लिए यह हिंदी बनाम तमिल की लड़ाई हो सकती है, लेकिन आम नागरिकों के लिए यह आजीविका से जुड़ा प्रश्न है। भाषा ज्ञान से किसी का नुकसान नहीं होता, बल्कि यह नए अवसरों के द्वार खोलता है। डीएमके और अन्य क्षेत्रीय दलों को यह समझना चाहिए कि हिंदी सीखने का विरोध करना तमिलनाडु के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने जैसा है।

वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा की स्थिति:-

हिंदी भाषा आज केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। डिजिटल क्रांति, प्रवासी भारतीयों की सक्रियता, शिक्षा और व्यापार में हिंदी की स्वीकार्यता से यह भाषा आने वाले वर्षों में और अधिक प्रभावशाली होगी। हिंदी के वैश्विक प्रसार को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह आने वाले समय में और सशक्त अंतरराष्ट्रीय भाषा बन सकती है।

हिंदी भाषा आज वैश्विक स्तर पर निरंतर प्रगति कर रही है और इसकी स्वीकार्यता दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। यह न केवल भारत की राजभाषा है, बल्कि इसे विश्वभर में करोड़ों लोग बोलते, लिखते और पढ़ते हैं। आज पुनः हिंदी विरोध प्रदर्शन तमिलनाडु से उठा है इस बार उनके विरोधी स्वर को वहां की जनता स्वयं कुचल दे यह जरूरी है। मुझे विश्वास है कि तमिलनाडु का युवा हिंदी की वर्तमान स्थिति को समझने से इस विरोधी स्वर को दबाने हमारी सहायता कर सकता है।

1. हिंदी भाषियों की संख्या और प्रसार:-

हिंदी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जिसके लगभग 159 करोड़ से अधिक वक्ता हैं। यह भारत, नेपाल, मॉरीशस, फिजी, गुयाना, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे देशों में व्यापक रूप से बोली जा रही है। अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूके, सिंगापुर और गल्फ देशों में बसे प्रवासी भारतीयों ने हिंदी के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

2. हिंदी और डिजिटल माध्यम:-

इंटरनेट पर हिंदी सामग्री की उपलब्धता तेजी से बढ़ रही है।

हिंदी गूगल, यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से प्रयोग की जा रही है।

हिंदी ब्लॉगिंग, पॉडकास्टिंग और ऑनलाइन जर्नलिज्म ने इसे वैश्विक डिजिटल भाषा के रूप में उभारा है।

गूगल ट्रांसलेट और अकट्रूल्स ने हिंदी अनुवाद और समझ को सरल बना दिया है।

3. हिंदी और वैश्विक शिक्षा:-

दुनिया के कई सुप्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा के पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं, जैसे कि हार्वर्ड, ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज आदि। अमेरिका, रूस, जर्मनी, जापान और चीन में हिंदी भाषा शिक्षण के प्रति रुचि बढ़ी है।

4. हिंदी और वैश्विक व्यापार:-

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण बहुराष्ट्रीय कंपनियां हिंदी को अपना रही हैं। कई कॉर्पोरेट सेक्टर, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में हिंदी का प्रयोग बढ़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड हिंदी भाषा में विज्ञापन और प्रचार कर रहे हैं।

5. हिंदी साहित्य और सिनेमा का प्रभाव:-

हिंदी साहित्य के अनुवाद से यह विश्वस्तर पर लोकप्रिय हो रही है।

हिंदी फिल्में (बॉलीवुड) और वेब सीरीज ने इसे अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। हिंदी गाने और कविताएं यूट्यूब और अन्य प्लेटफार्म पर दुनियाभर में सुनी जा रही हैं।

6. संयुक्त राष्ट्र और हिंदी

हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं में शामिल करने की मांग लगातार हो रही है। भारत सरकार और प्रवासी भारतीय समुदाय हिंदी को वैश्विक स्तर पर मजबूत करने के प्रयास कर रहे हैं।

-निष्कर्ष

तमिलनाडु का हिंदी विरोध केवल भाषा का मुद्दा नहीं, बल्कि राजनीति से प्रेरित है। नई शिक्षा नीति के बहाने हिंदी का विरोध करना वास्तव में भाजपा की नीतियों का विरोध करने का एक तरीका भर है। लेकिन इस विरोध की कीमत आम जनता, विशेषकर युवाओं को चुकानी पड़ सकती है। त्रिभाषा सूत्र किसी पर थोपा नहीं जा रहा, बल्कि यह एक समावेशी नीति है जो छात्रों को बहुभाषी दक्षता के साथ आगे बढ़ने का मौका देती है। तमिलनाडु को भी इस अवसर को अपनाना चाहिए, न कि इसे राजनीति की भेंट चढ़ाना चाहिए।

-प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी
प्रोफेसर एवं शोध आचार्य
हिंदी विभाग
श्री जे जे टी विश्वविद्यालय

आर्थिकी के जरिए नेतृत्व स्थापित करने की कोशिश

रीगन-थैचर थ्योरी वाली अर्थव्यवस्था आज वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य हो गई है। राजकाज में अर्थव्यवस्था का महत्व हमेशा से रहा है, लेकिन उदारीकरण के दौर में अर्थव्यवस्था राजनीति का केंद्रीय विषय बन गया है। ऐसे माहौल में राजनीतिक कामयाबी की शर्त के लिए बेहतर आर्थिकी ना होती तो ही हैरत होती। शायद यही वजह है कि अब राजनीति चाहे किसी भी विचारधारा वाली क्यों न हो, सत्ता में आने के बाद उसकी प्राथमिकता आर्थिकी को सुधारने और अपने लिए ज्यादा से ज्यादा निवेश हासिल करना हो गई है। इस दौर में जितना ज्यादा निवेश आकर्षित हुआ, राजनीतिक कामयाबी की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है। इन संदर्भों में कह सकते हैं कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव अपने नेतृत्व को राज्य में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। साल 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद बीजेपी ने मध्य प्रदेश की कमान मोहन यादव को जब सौंपी थी, तब उनकी पहचान राज्य से बाहर कम ही थी। जनसंख्या के लिहाज से पांचवां और क्षेत्रफल के लिहाज से दूसरे बड़े राज्य मध्य प्रदेश की बीजेपी में दिग्गज नेताओं की भरमार थी। बेशक मोहन यादव मुख्यमंत्री बनने से पहले शिवराज सरकार में शिक्षा मंत्री के रूप में काम कर रहे थे, लेकिन राज्य के बाहर उनकी बड़ी पहचान नहीं थी। लेकिन बीते 25 और 26 फरवरी को राज्य की राजधानी भोपाल में सफल ग्लोबल इन्वेस्टर मीट के आयोजन और उसमें मिले भारी-भरकम निवेश प्रस्तावों के बाद उनका कद बढ़ना स्वाभाविक है।

मध्य प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में मध्य प्रदेश सरकार को कुल 26 लाख 61 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले, जिनमें से देश के दूसरे नंबर के बड़े कारोबारी और उद्योपति समूह अडानी की ओर से अकेले दो लाख दस हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव मिला। मध्य प्रदेश जैसे बहुरंगी राज्य में भारीभरकम निवेश का प्रस्ताव आना स्वाभाविक भी है। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के पहले संभाग स्तर पर भी मध्य प्रदेश सरकार निवेशकों को आमंत्रित करती रही। उसमें भी उसे करीब चार लाख करोड़ के प्रस्ताव मिले। अगर से प्रस्ताव पूरी तरह से शत-प्रतिशत अंदाज में लागू हुए तो उम्मीद की जा रही है कि इससे राज्य में सीधे तौर 17 लाख 34 हजार रोजगार पैदा होंगे, जबकि उससे जुड़ी गतिविधियों से राज्य की अर्थव्यवस्था को और गति मिलेगी और दूसरे छोटे कारोबार भी बढ़ेंगे, जिनसे आखिरकार दूसरे तरह के रोजगार भी बढ़ेंगे।

मध्य प्रदेश में पिछले दस साल के निवेश प्रस्तावों के कार्यान्वयन के आंकड़ों को देखें तो पहले पांच साल में प्रस्तावों के दस प्रतिशत निवेश का ही जमीनी क्रियान्वयन हो पाया है। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार सुरेश शर्मा बीते पांच सालों के निवेश प्रस्तावों का अध्ययन किया है। उनके मुताबिक, तब भी मध्य प्रदेश की सरकारें निवेश प्रस्तावों के लिए प्रयासरत रहीं और तब जितने निवेश प्रस्ताव मिले, उनमें से करीब चौदह से सोलह प्रतिशत सालाना ही जमीनी हकीकत बन पाए। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में यह सवाल मध्य प्रदेश के मुख्यसचिव अनुराग जैन के सामने उठा भी। अनुराग जैन के अनुसार, यह मसला राज्य सरकार की जानकारी में भी है। इसलिए जिलावार ऐसे प्रस्तावों को साप्ताहिक स्तर पर समीक्षा करने और उसे जमीनी हकीकत बनाने की तैयारी की गई है। जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उनके जिले के लिए जो भी प्रस्ताव आए हैं, उन्हें जमीनी हकीकत बनाने, निवेशकों को जरूरी वैधानिक जरूरतों को पूरा करने की कोशिश उनके स्तर पर ही होनी चाहिए। मध्य प्रदेश के मुख्यसचिव के स्तर पर निवेश प्रस्तावों पर मासिक रूप से समीक्षा की जाएगी।

आधुनिक आर्थिकी का फॉमूर्ला है कि अगर एक रूपया कारोबारी अर्थव्यवस्था में डाला जाता है तो वह चार रूपए की आर्थिकी में तबदील होता है और वही रूपया अगर खेती-किसानी में जाता है तो खेती-किसानी की आर्थिकी में वह साढ़े तीन गुना की आर्थिकी बनाता है। मध्य प्रदेश के निवेश प्रस्तावों को इस फॉमूर्ले के नजरिए से भी बेहद उम्मीद से देखा जा रहा है। मध्य प्रदेश पिछले एक दशक से बड़े राज्यों में तेजी से विकसित होने वाला राज्य है। छोटे राज्यों में यह हैसियत सिक्किम को हासिल है। मध्य प्रदेश को सबसे ज्यादा करीब आठ लाख 616 हजार करोड़ का निवेश प्रस्ताव औद्योगिक नीति और निवेश विभाग को मिले हैं, जबकि दूसरे स्थान पर करीब पांच लाख 72 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव नवीकरण ऊर्जा के क्षेत्र के लिए मिले हैं। मध्य प्रदेश की जैसी स्थिति है, उसकी वजह से अगर ये निवेश प्रस्ताव जमीनी हकीकत बने तो आने वाले दिनों में यह राज्य नवीन ऊर्जा का केंद्र बन जाएगा।

निवेश प्रस्तावों की चर्चा करते वक्त हमें पिछली सदी के आखिरी वर्षों को भी याद कर लेना चाहिए। जब केंद्र में वाजपेयी सरकार थी तो उसने उदारीकरण के अगले चरण की शुरूआत की थी। इसके तहत अर्थव्यवस्था में एफडीआई का जोर बढ़ा। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हासिल करने के लिए राज्य सरकारों में होड़ मची। केंद्रीय स्तर पर भी तेज प्रयास हो रहे थे, लेकिन राज्यों में भी होड़ मची। तब वामपंथ शासित पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के साथ ही बिहार जैसे राज्यों ने एफडीआई में अपनी नीतियों के चलते दिलचस्पी नहीं दिखाई या फिर कानून-व्यवस्था की स्थिति के चलते निवेशक वहां आने से हिचकते रहे। बाद के दिनों में पश्चिम बंगाल की बुद्धदेव भट्टाचार्य सरकार ने पश्चिम बंगाल में तेजी से निवेश करने की कोशिश की तो वहां की राजनीति में भूचाल आ गया। राज्य की मौजूदा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ताजपोशी उसी भूचाल का नतीजा कही जा सकती है। यह बात और है कि अब पश्चिम बंगाल में भी कहा जाने लगा है कि अगर बुद्धदेव भट्टाचार्य की निवेश कोशिशें परवान चढ़तीं और राजनीति नहीं होती तो पश्चिम बंगाल की आर्थिक स्थिति कुछ और होती। बंगाल के सिंगूर प्रोजेक्ट को ही गुजरात में सफलता पूर्वक ले जाकर और उसे स्थापित करने के बाद नरेंद्र मोदी ने विकास के गुजरात मॉडल का फॉमूर्ला पेश किया और देखते ही देखते आर्थिक सफलता के साथ वे राजनीति की सीढ़ियों पर चढ़ते चले गए।

मध्य प्रदेश में भी कुछ उसी अंदाज में निवेश की उम्मीद जताई जा रही है और माना जा रहा है कि अगर ये निवेश सफल हुए तो मध्य प्रदेश की छवि औद्योगिक और कारोबारी राज्य के रूप में उभरेगी। अगर ऐसा होता तो मोहन यादव का नेतृत्व मध्य प्रदेश में नए रूप में उभर सकता है। दिग्गजों से भरी मध्य प्रदेश बीजेपी के अंदरूनी प्रभामंडल में बीजेपी के नए और मजबूत चेहरे के रूप में मोहन यादव स्थापित हो सकते हैं। लेकिन अगर निवेश प्रस्ताव नाकाम हुए, अगर वे पूरी तरह जमीनी स्तर पर नहीं उतरे तो तय है कि इससे राज्य प्रशासन और सरकार की किरकिरी होगी, इसका असर मोहन यादव की राजनीति पर भी पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि वे इसे पूरा करें। आज की राजनीति जिस मुकाम पर पहुंच चुकी है, उसमें विपक्ष हर मामले में सिर्फ मुखालफत करता ही नजर आता है। लेकिन दिलचस्प यह है कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट को लेकर मध्य प्रदेश के विपक्षी खेमे से कोई आवाज अभी तक नहीं उठी है। मोटे तौर पर मान सकते हैं कि इस समिट की वजह से उसे भी कम से कम अपने राज्य के लिए उम्मीद है। अब देखना यह होगा कि मोहन यादव की अगुआई वाली सरकार इसे किस हद तक जमीनी हकीकत बना पाती है।

-उमेश चतुर्वेदी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार

होली के दिन भदोही में छह लोगों की मौत, चार की हालत गंभीर

भदोही। रंगों के त्योहार होली के अवसर पर शुक्रवार को जिले की सड़कें खून से लाल हुई। होली वाले दिन जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कुल पांच सड़क दुर्घटनाएं हुई। हादसों की इस होली में छह लोगों की मौत हो गई। वहीं चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी हादसों में बाइक सवार शामिल रहे।

मरने वालों में युवाओं की संख्या अधिक रही। होली के अवसर पर जिले में उल्लास और उत्साह भरे इस त्योहार के बीच कई दुख भरी खबरें भी मिली। इस बार होली हादसों वाली रही। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुई सड़क दुर्घटना में छह लोगों ने जान गंवाई। वहीं चार लोग गंभीर रूप से घायल रहे। जिले में कोईरौना, सुरियावां, ज्ञानपुर, ऊंज और गोपीगंज क्षेत्र में सड़क दुर्घटना हुई। जिसमें छह लोगों की मौत हो गई।

कोइरौना थाना क्षेत्र के मनीपुर इटहरा गांव के पास जंगीगंज धनतुलसी मार्ग पर शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में दो चचेरे भाई ओमप्रकाश दलित (35) पुत्र जोखू और महेंद्र प्रसाद दलित (25) पुत्र राजनारायण की मौत हो गई। मृतक प्रयागराज के हंडिया कोतवाली के गोपालपुर लमाही निवासी थे। दोनों युवक चचेरे भाई थे। परिजनों के अनुसार, होली की सुबह ओमप्रकाश अपने ससुराल इटहरा गांव निवासी हरिमोहन दलित के यहां खोवा पहुंचाने गया था। उसके साथ चचेरा भाई महेंद्र भी चला गया। वहां से घर लौट रहे थे। इस बीच इटहरा से सटे मनीपुर गांव के पास जंगीगंज धनतुलसी मुख्य सड़क पर इनकी बाइक असंतुलित हो गई। जिससे दोनों सड़क पर गिर गए। घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। कोइरौना पुलिस दोनों को डीघ सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक कोइरौना छोटक यादव दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ऊंज थाना क्षेत्र के वहीदा मोड़ के पास शुक्रवार को बाइक सवार ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। घटना में साइकिल सवार की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार प्रयागराज के हंडिया थाना क्षेत्र के ढोकरी, सैदाबाद निवासी प्रवेश तिवारी (30) होली के दिन जिले में किसी रिश्तेदार के यहां आया था। जहां से वह वापस लौट रहा था। दूसरी तरफ ऊंज के बिछिया बनकट निवासी लालमनी (50) साइकिल से बाजार की तरफ निकला हुआ था। इस बीच वहीदा मोड़ के पास सर्विसलेन पर साइकिल व बाइक में जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें दोनों घायल हो गए। दोनों को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने लालमनी को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल बाइक सवार का इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुरियावां कोतवाली के मजजूदा निवासी बैंक मित्र वीरेंद्र सिंह, लल्लर (40) की होलिका दहन वाली रात सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। दुगार्गंज थाना क्षेत्र के बीरमपुर के पास दो बाइक में टक्कर होने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सुरियावां सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। लोगों ने के अनुसार वे किसी काम के सिलसिले में बीरमपुर गांव की तरफ गए थे। इस बीच किसी बाइक में टक्कर होने से उनकी मौत हो गई। वे तीन बच्चों के पिता थे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि दूसरा बाइक सवार फरार हो गया। जंगीगंज गोपीगंज कोतवाली के विशम्भरपट्टी गांव में दानुपुर मार्ग पर एक बाइक सवार ने दिव्यांग युवक को टक्कर मार दी। जिसमें उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि होली के पर्व के अवसर पर गांव निवासी लाल बिंद के 28 वर्षीय पुत्र शिवकुमार बिंद घर के सामने ही बज रहे डीजे पर डांस कर रहे थे। इस बीच दानूपुर की ओर से तेज रफ्तार एक बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना के बाद उसे गोपीगंज सीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है युवक दिव्यांग है। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। ज्ञानपुर कोतवाली के झींगुरपुर गांव स्थित आधार का पोखरा के पास शुक्रवार को दो बाइक सवारों की जबरदस्त टक्कर हो गई। जिसमें एक बाइक पर सवार विजय शंकर यादव (35) निवासी शायर, औराई की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, आकाश विश्वकर्मा (24) छोटाडीह, ज्ञानपुर और प्रदीप कुमार (26) निवासी शायर, उगापुर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को 108 की मदद से अस्पताल भेजा गया। स्थानीय पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

क्रिकेट के दो युवा खिलाड़ियों का समरस फाउंडेशन ने किया सम्मान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गांव की मिट्टी में पैदा होकर अपनी मेहनत और काबिलियत के बल पर उत्तर प्रदेश अंडर 16 और मुंबई अंडर 16 क्रिकेट टीम में जगह बनाने वाले बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित महमदपुर गुलरा गांव के दो युवा खिलाड़ियों दिव्यांश पांडे और अभिषेक पांडे का आज गांव में ही मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा सम्मान किया गया। संस्था के महासचिव तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने दोनों युवा खिलाड़ियों का सम्मान करते हुए उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में दोनों खिलाड़ी क्रिकेट में ऊंचा मुकाम हासिल करेंगे। इस अवसर पर अखिलेश पांडे, हरिहर पांडे, हरिश्चंद्र पांडे, प्रवेश पांडे,दिलीप पांडे वशिष्ठ पांडे समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। दिव्यांश पांडे के पिता प्रमोद पांडे दैनिक जागरण के पत्रकार हैं, जबकि अभिषेक पांडे के पिता मुंबई में ऑटो रिक्शा चलाते हैं। दोनों में बचपन से ही क्रिकेट के प्रति गहरी रुचि थी और उन्होंने गांव में ही खेलने की शुरूआत की थी।

अपना ही वजन नहीं उठा पाया रेलवे क्रॉसिंग जफराबाद का बूम

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद स्थानीय रेलवे स्टेशन की क्रासिंग पर लगा बूम शुक्रवार को अचानक अपने वजन से ही टूट कर टेढ़ा होकर लटक गया। हालांकि बूम के टूटने से ज्यादा नुकसान नहीं आयी क्योंकि होली के चलते लोगो की आवाजाही नही थी हक्का दुक्का लोग ही आ जा रहे थे। एक मालगाड़ी आ रही थी गेटमैन ने बूम को गिराने का बटन दबाया जैसे ही बूम नीचे की तरफ आने लगा वह टेढ़ा हो गया गेटमैन ने तत्काल इसकी जानकारी स्टेशन अधीक्षक को दिया उन्होंने मैकेनिकल स्टॉफ तथा आरपीएफ इंचार्ज प्रदीप सिंह को सूचना दिया वे लोग मौके पर पहुंच जर बूम बनने तक वही मौजूद रहे जिसके चलते व्यवस्था में कोई दिक्कत नही हुई।

नाबालिक ने आप्राकृतिक दुष्कर्म का लगाया आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद स्थानीय थाना क्षेत्र के अहमदपुर के एक आठ वर्षीय बालक वसीम ने अपने ही पड़ोसी 18 वर्षीय युवक बुद्धू पुत्र जहीरूद्दीन पर आप्राकृतिक दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए बताया कि होली के दिन समय लगभग 12 बजे युवक ने उसको बहला फुसलाकर पीली कोठी के सामने जहां पर वन विभाग द्वारा रखी गई लड़कियां हैं उसको एकांत में ले जाकर उसके साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म किया, प्राप्त जानकारी के अनुसार बालक अपने नानी के घर रहता है और घटना के बाद उसने अपने परिजनों को जाकर जानकारी दी , तो परिजनों ने जफराबाद थाना में प्रार्थना पत्र दिया और पीड़ित के नाना हैदर अली ने बताया कि हम लोगों ने प्रार्थना पत्र दिया है लेकिन पीड़ित को ही उल्टे थाने में बैठाला गया है और अभी तक कोई कार्रवाई नही की गई है इस सम्बन्ध में चौकी प्रभारी जफराबाद से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि घटना लाइन बाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है जहां पर घटना घटित हुई और थाना अध्यक्ष जयप्रकाश यादव से दूरभाष पर बात करने पर उन्होंने बताया कि हम कल से जलालपुर थाना क्षेत्र में ही है हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

सीबीआइ ने रिश्वत लेते बैंक मैनेजर को रंगेहाथ किया गिरफ्तार

बलरामपुर (आजमगढ़)। सीबीआइ लखनऊ की आठ सदस्यीय टीम बुधवार को सरायमीर थाना क्षेत्र के सिकड़ुला स्थित बड़ौदा यूपी बैंक पहुंची। टीम ने लगभग 11 घंटे तक बैंक के प्रबंधक, कैशियर और कर्मचारियों से अलग-अलग पूछताछ की। रात एक बजे तक बैंक में जांच की कार्रवाई चली। सीबीआइ टीम ने बैंक प्रबंधक अभिषेक राय को 15 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लखनऊ लेकर चली गई। मुस्तफा बाद दुउवा निवासी मेवालाल ने बैंक के प्रबंधक अभिषेक राय ने केसीसी के लिए 15 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। इसकी जानकारी पीड़ित मेवालाल ने लखनऊ सीबीआइ कार्यालय में की। सूत्रों के अनुसार सीबीआइ की टीम तीन दिन से जनपद में डेरा डाल रखी थी। बुधवार को मेवालाल ने 15 हजार रुपये जैसे ही बैंक प्रबंधक को दिए। इस दौरान सीबीआइ की टीम ने प्रबंध को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। टीम रात एक बजे उसे लेकर लखनऊ चली गई। टीम अपने साथ बैंक के कुछ अभिलेखों को भी ले गई। सीबीआइ की कार्रवाई से बैंक कर्मियों के होश उड़े हैं।

यूपी में बनने जा रहा है 101 कीमी लंबा पहला डिजिटल हाईवे, चार जिलों को मिलेगा सीधा फायदा

लखनऊ। बाराबंकी से बहराइच के बीच बनने वाले फोर लेन हाईवे का निर्माण अब अगले वित्तीय वर्ष में शुरू किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएचएआइ) ने इस परियोजनाओं के पहले चरण के टेंडर की तिथि 31 मार्च तक बढ़ा दी है। पहले छह मार्च तक टेंडर आमंत्रित किए गए थे, लेकिन पर्याप्त संख्या में टेंडर प्रक्रिया में कंपनियों के भाग न लेने के कारण इसकी तिथि आगे बढ़ा दी गई है। एनएचएआइ ने इसी वित्तीय वर्ष में बाराबंकी से बहराइच का सफर आसान करने के लिए 101 किलोमीटर लंबे फोर लेन हाईवे की परियोजना स्वीकृत की थी। परियोजना के तहत पहले चरण में बाराबंकी से जरवल तक 51 किलोमीटर में हाईवे का निर्माण किया जाना है। दूसरे चरण में घाघरा नदी पर एक किलोमीटर लंबे पुल का निर्माण किया जाएगा और तीसरे चरण में जरवल से बहराइच तक 49 किलोमीटर में हाईवे का निर्माण किया जाएगा। इसके निर्माण पर 2,500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पहले चरण के काम के लिए केंद्र सरकार ने 975 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी है।

होली खेलने से मना करने पर दोस्त को मारी गोली

मुरादाबाद। कटघर क्षेत्र के मुहल्ला बीरशाह हजारी में शुक्रवार को रंग लगाने से मना करने पर प्राइवेट कंपनी के मैनेजर अभिषेक ने लाइसेंसी पिस्टल से बिजली विभाग के संविदाकर्मी अक्षय को गोली मार दी। गोली दाएं पैर की जांघ में लगी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बीच बचाव कर रहे दूसरे व्यक्ति के सिर में पिस्टल की बट मारकर घायल कर दिया। आरोपित दूसरी गोली मारने के लिए पिस्टल को लोड किया, लेकिन कुछ लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए पिस्टल छीन ली। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार करके पिस्टल और कारतूस बरामद कर लिए। आरोपित विद्युतकर्मी को गोली मारने, मारपीट करने और पिस्टल को लोड करते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। क्षेत्र के मुहल्ला वीरशाह हजारी निवासी अक्षय पीतल बस्ती स्थित विद्युत उपकेंद्र पर कम्प्यूटर आपरेटर है। अक्षय की मुहल्ले के ही अभिषेक से दोस्ती है। शुक्रवार को अक्षय होली का रंग खेलने के बाद स्नान किया और दूसरे कपड़े पहनकर घर पर आराम कर रहे थे। इसी बीच अभिषेक ने अक्षय को फोन करके गली में बुलाया।

सफारी कार ने ऑटो को मारी टक्कर, चाचा-भतीजे समेत तीन की मौत, एक की हालत गंभीर

कानपुर। कानपुर के सेनपश्चिम पारा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को बिनगवां गांव के पास हाईवे किनारे खड़े ऑटो में सफारी कार ने टक्कर मार दी। हादसे में चाचा और भतीजे समेत तीन की मौत हो गईं। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक भतीजा अस्पताल में जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रहा है। बिधनू के जामू गांव निवासी रंजीत सिंह कछवाह उर्फ भूरा (42) गांव से खेतों में इस्तेमाल होने वाली नैनो यूरिया लेकर खुद की ऑटो से नौबस्ता हंसपुरम निवासी भतीजे विनय सिंह कछवाह (28) और दोस्त सौरभ अवस्थी (32) के साथ बिनगवां निवासी भतीजे अंकित सिंह कछवाह (27) के यहां गए थे।

हाईवे किनारे ऑटो खड़ी कर चारों उसमें बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान नौबस्ता की तरफ से आ रही तेज रफ्तार सफारी ने ऑटो में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। इसमें चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद सफारी कार पलटने से दो बाइकें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद चालक सफारी कार को छोड़कर उसमें सवार साथियों समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ऑटो में फंसे चारों घायलों को ऑटो काटकर निकालने के बाद एम्बुलेंस से बिधनू सीएचसी पहुंचाया। यहां इलाज के दौरान विनय सिंह की मौत हो गई। वहीं, अन्य घायलों की नाजुक हालत देख डॉक्टर ने सभी को हैलट रेफर कर दिया। हैलट में रंजीत सिंह और सौरभ अवस्थी ने भी दमतोड़ दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल अंकित जिंदगी और मौत से अस्पताल में संघर्ष कर है। हादसे में मौत की जानकारी पर तीनों के परिवारों में कोहराम मच गया। मृतक विनय के छोटे भाई नीरज की तहरीर पर पुलिस ने सफारी कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्यवाई शुरू कर दी।सेनपश्चिम पारा थाना प्रभारी कुशलपाल सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जौनपुर में तीन सगी बहनें एक साथ बनी सिपाही

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में मड़ियाहू तहसील एवं सिकरारा थाना क्षेत्र के एक गांव की तीन बेटियां कल जारी हुए पुलिस भर्ती परीक्षा के परिणाम में एक साथ सिपाही बनी हैं। जिला कबड्डी एसोसिएशन के सचिव एवं जिला व्यायाम शिक्षक बेसिक शिक्षा रविचंद्र यादव ने आज शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मड़ियाहू तहसील क्षेत्र के महमदपुर अजोशी गांव निवासी स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय इंद्रपाल चौहान के पुत्र स्वतंत्र कुमार चौहान की तीन पुत्रियां क्रमशः खुशबू चौहान, कविता चौहान और सोनाली चौहान कल गुरुवार को घोषित हुए पुलिस भर्ती परीक्षा परिणाम में एक साथ आरक्षी के पद पर चुनी गई है। यादव ने बताया कि खुशबू चौहान गांव के पास में ही मेहंदी गंज में खो-खो की तैयारी करती थी और अखिल भारतीय स्तर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की तरफ से खो-खो प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व कर चुकी है। कविता चौहान जौनपुर कबड्डी टीम की तरफ से उत्तर प्रदेश के लिए मैच खेल चुकी है। इसके साथ ही सोनाली चौहान दौड़ में राष्ट्रीय स्तर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की तरफ से क्रॉस कंट्री रेस में भाग ले चुकी है। प्रशिक्षक रविचंद्र यादव ने बताया कि तीनों बहनें बराबर प्रैक्टिस करती रही और इसी का परिणाम है कि यह एक साथ आरक्षी (सिपाही) के पद पर नियुक्त की गई है। इनके चयन से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। मेहदीगंज बाजार में पूर्व माध्यमिक विद्यालय मेहदीगंज के मैदान पर विगत 20 वर्षों से कोच रमेश चंद्र यादव एवं रवि चन्द्र यादव द्वारा लगातार बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर सैकड़ों लोगों को नौकरी से जोड़ा गया है।

इंदौर में वकीलों और पुलिस के बीच झड़प, घंटों लगा जाम

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां पर वकीलों पर उत्पात देखने को मिला है। दरअसल, शनिवार को इंदौर में कीलों और पुलिस के बीच बड़ा टकराव हुआ। इस टकराव के कारण हाई कोर्ट चौराहे पर देर तक जाम की स्थिति रही।

नमाजी ने रंग डालने का किया विरोध, मारपीट में मौत

उन्नाव। नमाज पढ़ने जा रहे 48 वर्षीय युवक ने रंग डालने का विरोध किया। इसपर होली खेल रहे युवकों से उसका विवाद हो गया। विवाद के दौरान उससे मारपीट हो गई। कुछ लोगों उसे छुड़ाकर एकांत स्थान पर बैठा दिया और उसे पानी पिलाया। तभी अचानक उसकी मौत हो गई। इलाके में तनाव की स्थिति है। लोगों ने कार्रवाई की मांग की। मिश्रित आबादी में हुई घटना के बाद कई थानों का फोर्स व क्यूआरटी बल तैनात कर दिया गया है। सदर क्षेत्र के कासिम नगर रबन्ना मस्जिद के पास रहने वाले 45 वर्षीय शरीफ सऊदी अरब में रहकर वाहन चलाता है। दो माह पहले लौटकर घर आया था। शनिवार को वह अपने पैतृक घर मुहल्ला कंजी से लौटकर नमाज पढ़ने के लिए घर के पास स्थित मस्जिद जा रहा था। इसी बीच मुहल्ला काशिफ अली सराय चुंगी पावर हाउस के पास सड़क पर रंग खेल रहे कुछ लोगों ने उसपर रंग डाल दिया। उसने विरोध किया इसके बाद फिर से रंग डाला तो गाली गलौज के बाद मारपीट शुरू हो गई। इस बीच कुछ लोगों ने उसे छुड़ाकर कुछ दूर स्थित एक चबूतरे पर बैठाया और पानी पिलाया।

रंग खेलने को लेकर दंपती में विवाद, पत्नी की मौत, पुलिस को बिना बताए कर दिया अंतिम संस्कार

मिर्जापुर।।मड़िहान थाना क्षेत्र के गोपलपुर गांव में शुक्रवार की रात होली पर पति से विवाद के बाद पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस को बिना सूचना दिए गांव स्थित शवदाहगृह में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। गांव में पति से विवाद होने के बाद मौत को लेकर चर्चा है। वहीं, पति ने बताया के पेट दर्द के चलते मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, जमुई गांव निवासिनी दशवंती (40) की शादी देवरी कटाई गांव निवासी एक युवक से हुई थी। दशवंती को पहले पति से दो पुत्री व एक पुत्र हैं, जो देवरी कटाई में रहते हैं। इसी बीच, दशवंती का पति के छोटे भाई अमृतलाल से प्रेम संबंध हो गया। अमृतलाल बतौर पत्नी दशवंती के साथ एक दशक पहले अपने बुआ के गांव गोपलपुर में रहने लगा। अमृतलाल और दशवंती के बीच दो पुत्री व पुत्र पैदा हुए। शुक्रवार को होली के दिन रंग खेलने को लेकर शाम को आपस में दोनों से विवाद हो गया था। शुक्रवार की देर रात दशवंती को इलाज के लिए मड़िहान अस्पताल ले जाया गया था। देखते ही डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोग शव को लेकर घर लौट गए। सुबह गोपलपुर गांव स्थित शवदाह गृह में अंतिम संस्कार कर दिया गया। पति अमृतलाल ने बताया कि पेट दर्द की बीमारी से दशवंती पीड़ित थी। रात में मौत हो गई। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि थाने पर कोई सूचना नहीं है। जानकारी होने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बेटी ने किया लिव्हर दान, पिता को मिला जीवनदान

मुलुंड, मुंबई। होली के शुभ अवसर पर धुले जिले के नवसारे परिवार के लिए इस साल की होली बेहद खास थी। परिवार के मुखिया सुरेश नवसरे (43) को अपनी बेटी के लीवर दान से नया जीवन मिला और परिवार के स्वस्थ भविष्य की आशा जगी। महाराष्ट्र पुलिस विभाग में सब-इंस्पेक्टर सुरेश पहले लीवर की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। उन्हें 5 मार्च 2025 को राहत मिली, जब उनकी 18 वर्षीय बेटी मयूरी ने अपना लीवर दान किया। इस सर्जरी की सफलता के बाद, मयूरी अपने पिता को उनकी पसंद के अनुसार पूरनपोली खिलाकर होली मनाई और परिवार की एक नई शुरूआत की है। परिवार ने इस अवसर को मुलुंड के फोर्टिस अस्पताल में मनाया, जहां सुरेश के इलाज के अच्छे परिणाम मिले हैं। मयूरी के बलिदान के लिए परिजन डॉ. विक्रम राउत और उनकी टीम को धन्यवाद, जिनके मार्गदर्शन में सुरेश का लीवर प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया गया। सुरेश को पांच महीने पहले जलोदर का पता चला था। बाद में उन्हें

ऑटोइम्यून लिवर विफलता का पता चला, जिसके कारण उनका लिवर खराब हो गया। इस स्थिति के कारण उन्हें लिवर ट्रांसप्लांट कराने की सलाह दी गई थी। सुरेश ने हमेशा अपने परिवार के लिए कड़ी मेहनत की थी और यही वजह है कि उनकी बेटी मयूरी ने उनकी मदद करने का फैसला किया। श्पिताजी ने हमारे लिए हमेशा कड़ी मेहनत की, और जब डॉक्टरों ने कहा कि उन्हें लीवर प्रत्यारोपण की आवश्यकता है

जब मुझे बताया गया कि उन्हें लीवर ट्रांसप्लांट की जरूरत है, तो मुझे तुरंत पता चल गया कि मैं उनकी मदद कर सकती हूं," मयूरी ने कहा, "अपने पिता को सफल सर्जरी से ठीक होते हुए देखकर, मैं बस यही सोच सकती थी कि यह हमारे परिवार के भविष्य की शुरूआत है।" डॉ. विक्रम राउत ने लिवर ट्रांसप्लांट के बारे में कहा कि सुरेश का इम्यून सिस्टम उनके लिवर पर हमला कर रहा था, जिससे लिवर कोशिकाएं नष्ट हो गईं। उचित इलाज के बिना उनकी बीमारी और भी गंभीर हो सकती थी, लेकिन समय पर निदान होने के कारण उन्हें इलाज मिला और सर्जरी सफल रही। उम्मीद है कि मयूरी का यह साहसिक फैसला लीवर दान के प्रति जागरुकता पैदा करेगा। डॉ. विक्रम राऊत ने कहा, श्मयूरी का लीवर स्वस्थ है और उसे कोई अन्य गंभीर बीमारी नहीं है। उसका लीवर कुछ महीनों में पुनर्जीवित हो जाएगा और उसके बाद वह बिना किसी समस्या के अपना जीवन जी सकेगी। अब, सुरेश की हालत में सुधार हो रहा है, लेकिन उन्हें इम्यूनोसप्रेसेन्ट्स के साथ इलाज जारी रखना होगा। 12 मार्च 2025 को छुट्टी मिलने के बाद, मयूरी धीरे-धीरे ठीक हो रही है और अपनी शिक्षा के अगले चरण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उत्सुक है।

मायावती ने दी श्रद्धांजलि, खुद को बताया 'आयरन लेडी', बोलीं- सत्ता की चाबी हासिल करना जरूरी

लखनऊ। यूपी का राजधानी लखनऊ में शनिवार को कांशीराम की जयंती मनाई गई। बसपा प्रमुख मायावती ने कांशीराम की 91वीं जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पार्पित करके उन्हें नमन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती पर देशभर में पार्टी कार्यकताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। हम सबने उनके सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति के आंदोलन को और मजबूत करने का संकल्प लिया है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि बहुजन समाज को गरीबी, बेरोजगारी, शोषण, उत्पीड़न, पिछड़ेपन, जातिवाद, सांप्रदायिक हिंसा और तनाव की कष्टपूर्ण जिंदगी से मुक्ति पाने के लिए उन्हें अपने बहुमूल्य वोट की ताकत को समझना होगा। बहुजन समाज को सत्ता की चाबी हासिल करना जरूरी है। यही आज का संदेश है। इस मौके पर मायावती ने खुद को 'आयरन लेडी' बताया।

मायावती ने कहा कि यूपी की विशाल आबादी ने देखा है कि कैसे 'आयरन लेडी' के नेतृत्व में बसपा कथनी से ज्यादा करनी में विश्वास रखती है। सत्ता में रहने के दौरान हमने बहुजनों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया। जबकि, अन्य दलों द्वारा किए गए अधिकांश दावे निराधार और भ्रामक साबित हुए।

उन्होंने कहा कि 15 मार्च 1934 को पंजाब के रूपनगर में जन्मे कांशीराम ने पिछड़ा वर्ग के लोगों के उत्थान और राजनीतिक लामबंदी के लिए काम किया। उन्होंने 1971 में अखिल भारतीय पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक समुदाय कर्मचारी महासंघ (बामसेफ) की स्थापना की। 1981 में दलित शोषित समाज संघर्ष समिति की स्थापना की।

कहा कि 1984 में बसपा का गठन किया। कांशीराम 1991 में यूपी के इटावा से और 1996 में पंजाब के होशियारपुर से लोकसभा सदस्य चुने गए। 1998 से 2004 तक उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में भी काम किया। 9 अक्टूबर 2006 को 71 वर्ष की आयु में दिल्ली में उनका निधन हो गया।

पुलिस ने होली पर हुडदंग करने व शान्ति व्यवस्था भंग करने वाले 30 व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

रामपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना के प्रा0चौ0 अजय कुमार शर्मा चौ0 सिधवन थाना रामपुर जौनपुर मय हमराह, प्रा0चौ0 हीरामणि दूबे चौकी जमालापुर थाना रामपुर जनपद जौनपुर तथा प्रा0चौ0 महंगू यादव चौकी गोपालापुर थाना रामपुर जनपद जौनपुर तथा उ0नि0 बाबूराम बिन्द मय हमराहियान के साथ त्यौहार होली में रंग लगाने को लेकर विवाद करने वाले / हुडदंग करने वाले 30 व्यक्ति ट्रबुल मेकर्स को भिन्न -भिन्न स्थानों से अन्तर्गत धारा 170 BNSS में हिरासत पुलिस में लिया गया तथा उनके 8 दोपहिया वाहनों को अन्तर्गत धारा 207 MVACT सीज करते हुए आवश्यक कार्यवाही करते हुए चालान न्यायालय किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों का विवरण इस प्रकार है नसीम खां पुत्र बकिल खां उम्र करीब 20 वर्ष निवासी गन्धौना थाना रामपुर जौनपुर, मुस्तकीम खाँ पुत्र बकिल खाँ उम्र करीब 27 वर्ष निवासी गन्धौना थाना रामपुर जौनपुर, समीर खाँ पुत्र बकिल खाँ उम्र करीब 24 वर्ष निवासी गन्धौना थाना रामपुर

जौनपुर, तस्लीम खाँ पुत्र गुलाब खाँ उम्र करीब 19 वर्ष निवासी गन्धौना थाना रामपुर जौनपुर, समीर खाँ पुत्र गुलाब खाँ उम्र करीब 18 वर्ष निवासी गन्धौना थाना रामपुर जौनपुर, संदीप गौतम पुत्र स्व0 दयाशंकर गौतम उम्र करीब 25 वर्ष निवासी गन्धौना थाना रामपुर जौनपुर, राजन गौतम पुत्र चन्द्रशेखर गौतम उम्र करीब 24 वर्ष निवासी गन्धौना थाना रामपुर जौनपुर, राय साहब गौतम पुत्र चन्द्रशेखर गौतम उम्र करीब 19 वर्ष निवासी गन्धौना थाना रामपुर जौनपुर, रंजीत कुमार पुत्र स्व0 दयाशंकर उम्र करीब 26 वर्ष निवासी गन्धौना थाना रामपुर जौनपुर, चन्द्रशेखर गौतम पुत्र स्व0 फूलचन्द उम्र करीब 42 वर्ष निवासी गन्धौना थाना रामपुर जौनपुर, सुनील कुमार सरोज पुत्र तिन्नू सरोज उम्र करीब 27 वर्ष निवासी सिघवन थाना रामपुर जौनपुर, तित्तू सरोज पुत्र स्व0 नेपई सरोज उम्र करीब 56 वर्ष निवासी सिघवन थाना रामपुर जौनपुर, पप्पू सरोज पुत्र स्व0 लालमनि सरोज उम्र करीब 29 वर्ष निवासी सलारपुर थाना मडियाहूँ जौनपुर, अजय कुमार सरोज पुत्र लालचन्द सरोज उम्र करीब 20 वर्ष निवासी सलारपुर थाना मडियाहूँ जौनपुर, सन्तोष कुमार पुत्र गुलाब चन्दर उम्र करीब 31 वर्ष निवासी सलारपुर थाना मडियाहूँ जौनपुर, रविन्द्र सरोज पुत्र केसरी सरोज उम्र करीब 22 वर्ष निवासी खेमईपुर थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर, संजय सरोज पुत्र दशेन्द्र सरोज उम्र करीब 22 वर्ष निवासी पहाड़पुर थाना मछलीशहर जौनपुर 18- किशन सरोज पुत्र झल्लू सरोज उम्र करीब 18 वर्ष नि0गण सिघवन थाना रामपुर जौनपुर, प्रकाश गिरी पुत्र अशोक गिरी उम्र करीब 30 वर्ष निवासी कोटिगांव थाना रामपुर जौनपुर, विकास गिरी पुत्र ओमनाथ गिरी उम्र करीब 20 वर्ष निवासी कोटिगांव थाना रामपुर जौनपुर, प्रमोद कुमार गिरी पुत्र भारत गिरी उम्र करीब 30 वर्ष निवासी कोटिगांव थाना रामपुर जौनपुर, शुभम गिरी पुत्र विनोद कुमार गिरी उम्र करीब 20 वर्ष निवासी कोटिगांव थाना रामपुर जौनपुर सहित आदि लोग शामिल है। पुलि सभी के खिलाफ विधिक कार्यवाही कर रही है।

मजदूर की ईंट से मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर। रामगढ़ताल इलाके में बृहस्पतिवार की देर रात 12 बजे एक मजदूर की ईंट से कूचकर हत्या कर दी गई। मृतक कन्हई निषाद रामगढ़ताल इलाके के महेवा स्थित एक मकान की देख-रेख करता था। शराब के नशे में एक व्यक्ति वहां पहुंचा और कन्हई से विवाद करने लगा। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि उसने ईंट से कन्हई पर हमला कर दिया। परिवार के लोग घायल कन्हई को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देख उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान घायल की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने कन्हई के बेटे रमाकांत की तहरीर पर हत्या का केस दर्ज कर आरोपी हरिओम पांडेय को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से हत्या में प्रयोग किया गया ईंट भी बरामद कर लिया है।

होली पर वृंदावन में पांच अलग-अलग जगहों पर पांच श्रद्धालु डूबे

वृंदावन। नगर के मंदिरों में होली का आनंद लेने विभिन्न क्षेत्रों से आए पांच श्रद्धालु युवक डूब गए। इनमें से एक की जुगलघाट पर नाविकों ने यमुना के गहरे पानी से निकालकर उनकी जान बचा ली। पुलिस को गोताखोरों की मदद से दावानल कुंड से एक युवक का शव शनिवार सुबह मिला। पुलिस गोताखोरों की मदद से तीन की तलाश कर रही है। उनकी पुलिस के साथ एसडीआरएफ, पीएसी फ्लड तलाश में जुटी है। नगर के मंदिरों में होली खेलने के साथ शुक्रवार को आराध्य के दर्शन करने आए हरियाणा के रोहतक प्रेम नगर निवासी 23 वर्षीय हितेश के साथ मनप्रीत, निधि कुमारी, भावना प्रिया, दीपक आए थे। यह सभी जुगल घाट पर यमुना में स्नान कर रहे थे। तभी हितेश और मनप्रीत गहरे पानी में डूब गए। उनके साथियों द्वारा शोर मचाने पर वहां मौजूद नाविकों ने मनप्रीत को गहरे पानी से बाहर निकाल लिया, जबकि हितेश की तलाश जारी है।

अच्छे संस्कार, देशभक्ति तथा आत्मरक्षा का प्रशिक्षण ले युवा पीढ़ी : के के मिश्रा बच्चन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वडाला पश्चिम के समाजसेवी के के मिश्रा बच्चन ने कहा है कि अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए हिन्दुओं को शास्त्रों के साथ साथ शस्त्रों की शिक्षा भी लेनी होगी। तभी हमारी बहन, बेटियां अराजक तत्वों से आसानी से निपट सकती हैं। विश्व में हिंदू बहुत ही उदार एवं सहिष्णु होते हैं और वे जियो और जीने दो के सिद्धांत को अपनाते हैं। इसी का फायदा आक्रांताओं ने उठाया और उन्होंने हथियारों के बल पर आसानी से हिन्दुओं को गुलाम बना लिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति पैदा न हो इसके लिए स्वयं को तथा अपने बच्चों को संस्कार, देश भक्ति, हथियारों का प्रशिक्षण देना होगा और उन्हें आत्मरक्षा के लिए प्रेरित करना होगा। ताकि आक्रांताओं को उचित जवाब दिया जा सके बच्चन मिश्रा ने कहा कि अभी हिन्दुओं के बच्चों में केवल डिग्री पाने की होड़ लगी हुई है जबकि उन्हें डिग्री के साथ साथ अच्छे संस्कार, देशभक्ति तथा हथियारों का प्रशिक्षण भी अनिवार्य रूप से लेना चाहिए। जो हिंदू अलग अलग जाति में बिखरे हुए हैं उन्हें एकत्रित करके विधर्मियों / संविधान विरोधियों के विरोध में जनजागृति पैदा करना होगा। के के मिश्रा ने बताया कि जो बात हमारे साधु और संतों ने समझा गए हैं। यह बात अब तक आम लोग क्यों नहीं समझ पा रहे हैं? उन्होंने कहा कि हमारे धर्म गुरुओं के द्वारा समस्त हिंदू धर्म की सभी जातियों को ये संदेश देते है कि देश के दुश्मनों से अपने धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए सिर्फ पुरुष ही नहीं बल्कि सभी हिंदू जाति की महिलाओं को भी जिजामाता, रानी लक्ष्मीबाई बनना होगा जो समय आने पर घर से बाहर निकलकर धर्म की रक्षा के लिए तैयार होना पड़ेगा। इसके लिए जहां देवालय, गुरुद्वारा और बुद्ध विहार वहां विद्यालय कि स्थापना और उसमें संस्कार, देशभक्ति का भाव और आत्मरक्षा की शिक्षा और प्रशिक्षण देके शिवाजी, महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मीबाई, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसा बनने का जज्बा पैदा करना पड़ेगा।

राजदेव यादव से संपादक उत्तरशक्ति की औपचारिक मुलाकात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय कांग्रेस प्रकोष्ठ के दक्षिण मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष व समाजसेवी राजदेव यादव से समाजसेवी कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ भोलानाथ चौहान से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने भेंट कर स्वागत अभिनन्दन किया। और समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के विस्तार को लेकर विचार विमर्श किया गया। उन्हें दैनिक उत्तर शक्ति के स्थापना दिवस पर आमंत्रित किया गया। राजदेव यादव उत्तर भारतीय समाज के शुभचिंतक हैं। मातृभूमि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद से चल कर छत्रपति शिवाजी महाराज की कर्म भूमि धारावी मुंबई में निवास करने वाले सरल सौम्य मिलनसार व्यक्ति हैं। वह कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता हैं और धारावी में उनका खुद का व्यवसाय है।

वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में रियायत देने की मांग

मुंबई(उत्तरशक्ति)। रेलवे प्रशासन ने कोरोना काल में वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली रेल किराये में रियायत बंद कर दी है। जिसके कारण वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा और भारत भ्रमण करने में काफी आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई प्रदेश और नवी मुंबई आदिवासी पारधी महासंघ के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार ने प्रधानमंत्री और रेल मंत्री से पुनः वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराए में रियायतों को लागू करने की मांग की। बता दें कि रेलवे प्रशासन ने कोविड काल 2020 से वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली रियायतें बंद कर दी हैं। लंबी दूरी की ट्रेनों में स्लीपर कोचों की संख्या कम कर दी गई है। कई ट्रेनों में स्लीपर कोचों को एसी कोचों में परिवर्तित कर दिया गया है। इसलिए, इसका निम्न आय वर्ग के यात्रा व्यय पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। यात्री आराम से यात्रा नहीं कर सकते। नियमित और सुपरफास्ट ट्रेनों की तुलना में वंदे भारत ट्रेनें शुरू की जा रही हैं। मुंबई उपनगरीय ट्रेन का शेड्यूल 2023 से बाधित हो गया है और इसके बारे में कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं। ऐसे में आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई नवी मुंबई के प्रदेश अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार ने इन मांगों को दोहराते हुए कहा कि पहले मेल, एक्सप्रेस, राजधानी, शताब्दी और दुरंतो ट्रेनों में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के पुरुषों को 40% और 58 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को 50% छूट मिलती थी। इस प्रावधान से लाखों लोगों को लाभ मिलता, लेकिन कोरोना काल में इसे बंद कर दिया गया। इसलिए इन रियायतों को पुनः बहाल किया जाए। जिससे कि वरिष्ठ नागरिकों को पुनः एक बार तीर्थ यात्रा, धार्मिक यात्रा करने में आसानी हो सके।

शिव सेना की ओर से आयोजित होली रंग उत्सव में उमड़ा जनसैलाब

मुंबई(उत्तरशक्ति)। शिवसेना चांदीवली विधानसभा के विधायक दिलीप (मामा) लांडे ने आज 14 मार्च 2025 को शिवाजी विद्यालय मैदान, काजूपाड़ा, कुर्ला पश्चिम में एक भव्य होली उत्सव का आयोजन किया। विधायक दिलीप लांडे ने होली की रस्म अदा की और होली जलाई.। दूसरे दिन मैदान में रंग उत्सव मनाने के लिए लांडे मामा के माध्यम से यहां विशेष तैयारी की गयी थी.। इस रंगपंचमी के इस उत्सव में रंगों के भव्य प्रदर्शन के लिए विशेष रंग-बिरंगे मंडपों का निर्माण किया गया था। रंग बिरंगी पिचकारियों से रंग उड़ाए गए और इस मौके पर चांदीवली से बड़ी संख्या में शिव सेना पदाधिकारी शामिल हुए और होली के त्योहार जमकर आनंद उठाया। इस अवसर पर विधायक दिलीप लांडे और युवा सेना के कार्यकारिणी सदस्य प्रयाग लांडे ने उपस्थित विभिन्न पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान होली खेलने वालों के लिए पानी के टैंकर और पाव भाजी की व्यवस्था की गई थी।

फाग गीतों और फूलों की बारिश के बीच उत्तर भारतीय संघ में खेली गई होली

मुंबई(उत्तरशक्ति)। होली के शुभ मौके पर शुक्रवार शाम को बांद्रा पूर्व स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन में फगुआ व फूलों संग होली खेली गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के लोग उपस्थित थे। पूरा परिसर गुलाब और गेंदे के फूलों की खुशबू से महक उठा। उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह की संकल्पना से शुरू यह आयोजन मुंबई में होली पर सबसे बड़ा आयोजन बन गया है।

कार्यक्रम की शुरूआत उत्तर भारतीय संघ के संस्थापक स्वर्गीय बांकेलाल तिवारी और बाबू आरएन सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करने से हुई। सभी आमंत्रित लोगों का सत्कार उत्तर प्रदेश के पारंपरिक गमछे और महाराष्ट्र की सफेद टोपी पहनाकर किया गया। लोक गायक सुरेश शुक्ला ने पारंपरिक होली गीत पेश कर अलग समा बना दिया। इसके बाद उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने सभी आमंत्रित लोगों के साथ फूलों की होली खेलकर उन्हें शुभकामनाएं दी। संघ अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने कहा कि इस अनोखे आयोजन का मकसद समाज में एकजुटता लाना है। यहां आकर लोगों को गांव की होली की याद आ जाती है। हम पिछले कुछ सालों से होली के त्योहार पर फूलों की होली का आयोजन कर रहे हैं। इस त्योहार पर फूलों की होली खेलकर हम सभी के बीच एकता का संदेश देने का प्रयास करते हैं। इस मौके पर प्रतापगढ़ के पूर्व सांसद हरिवंश सिंह ने स्टेज पर जाकर पारंपरिक होली गीत पेश कर माहौल को रंगीन बना दिया। उन्होंने शेरो-शायरी भी पेश की। उत्तर भारतीय संघ की फूलों की भव्य होली कार्यक्रम में नीदरलैंड से आए अप्रवासी भारतीय शिवचरण छेदी भी शामिल हुए। वे फूलों की होली मनाने की संकल्पना को अद्भुत बताते हैं। संगीतकार दिलीप सेन ने अपने लोकप्रिय गीत ओले...ओले की कुछ लाइन सुनाई।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह, पूर्व मंत्री चंद्रकांत त्रिपाठी, पूर्व सांसद हरिवंश सिंह, मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह, सिद्धि विनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, उत्तर भारतीय संघ के उपाध्यक्ष संजय सिंह, आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली, संगीतकार दिलीप सेन, धारावाहिक ‘तेनालीरामा’ में कथाचार्य का किरदार निभाने वाले अभिनेता पंकज बेरी, वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिपाठी, विमल मिश्र, ओम प्रकाश तिवारी, ब्रजमोहन पांडे, मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, उत्तर भारतीय संघ की कार्यकारिणी के सभी सदस्य सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संघ के महामंत्री देवेंद्र तिवारी ने किया।

श्री साईराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड के अध्यक्ष बने गिरजेश आर. सिंह

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर तारापुर औद्योगिक क्षेत्र के सालवड ग्राम पंचायत अंतर्गत शिवाजी नगर लक्ष्मी प्लास्ट शॉप नं. 1375/5 में स्थित श्री साईराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड की आयोजित बैठक में नए संचालन मंडल का गठन किया गया। ज्ञात हो कि श्री साईराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड का राजिस्ट्रेशन सन 1991 में रजिस्ट्रेशन नं. बीओएम/डब्लूएसई/आरएसआर/सीआर - 1461/1991 को ठाणे, मुंबई, रायगढ़, नवी मुंबई आदि जिलों में संचालन हेतु कराया गया है। श्री साईराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड के नवनिर्वाचित संचालन मंडल में संचालक अध्यक्ष गिरजेश राजकिशोर सिंह, उपाध्यक्ष पुष्पा गिरजेश सिंह, सचिव अपर्णा अजिंक्या पुरव, कोषाध्यक्ष प्रत्युष गिरजेश सिंह, पियुष गिरजेश सिंह, रोशनी पियुष सिंह, अजिंक्या पुरव, संजय शिरसाट, पिंकी साहु, राकेश सिंह, शिला राकेश सिंह को बनाया गया है। समाजसेवी व उद्योजक गिरजेश आर सिंह को श्री साईराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड के संचालक अध्यक्ष बनाए जाने पर उनके तमाम शुभचिंतकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

महिलाएं एवं छात्राएं सोशल मीडिया का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतें : अश्वती दोरजे

वासई रोड(उत्तरशक्ति)। वसई बालाजी हॉल में विशेष पुलिस महानिरीक्षक अश्वती दोरजे और खादी ग्रामोद्योग की प्रमुख हिना भट्ट की उपस्थिति में महिलाओं और छात्राओं को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय सावधान रहना चाहिए। निजी जानकारी, फोटो शेयर करते समय विशेष ध्यान रखें और इसके अलावा, सोशल मीडिया पर अजनबियों के संपर्क में न रहें और अगर कोई आपको सोशल मीडिया पर परेशान कर रहा है तो तुरंत पुलिस को रिपोर्ट करें। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अन्याय के लिए 8657222777 और 9777777980 और साइबर धोखाधड़ी के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 या cybercrime.gov पर संपर्क करें। ऐसी अपील पी.सी. डब्ल्यू सी. पुलिस महानिरीक्षक अश्वती दोरजे (आईपीएस) ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित किया। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश, केरल शाखा की अध्यक्षता में बालाजी हॉल, वसंत नगरी, वसई (पूर्व) में वसई तालुका के 8 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के डॉक्टरों, नर्सों, आशा सेविका, महिला स्वच्छता कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में ‘प्रतीक्षा फाउंडेशन’ के माध्यम से संपन्न हुआ। केंद्रीय खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर परडॉ हिना शफी भट्ट ,भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील मौजूद थे उन्होंने कहा कि महिलाओं को महिलाओं के साथ खड़ा होना जरूरी है। उन्होंने इस दौरान कहा कि मुझे दुख होता है जब मैं सुनती हूं कि आज महिलाएं ही महिलाओं को पीछे खींचती हैं। कार्यक्रम में प्रतीक्षा फाउंडेशन का दुर्गा शक्ति पुरस्कार डॉ. अलमास खान, डॉ. योजना जाधव, गीता अहिरे, प्रो. उज्जवला गायकवाड, डॉ. लालन पलस्कर, प्रज्ञा कुलकर्णी, प्रीति काले, कमल वर्तक, मालिनी सातपुते आदि को सम्मानित किया गया। इस मौके पर बोलते हुए उत्तम कुमार ने कहा कि चित्रा वाघ उस कार्यक्रम में आई थीं जब हमने सिविल सेवकों के वेतन वृद्धि के लिए लड़ाई उठाई थी, जिसके बाद भाजपा-महायुतिया सरकार के दौरान उन्हें वेतन वृद्धि मिली।

प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी को हिन्दी साहित्य भारती ने महाराष्ट्र अध्यक्ष नियुक्त किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिन्दी साहित्य की अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्था हिन्दी साहित्य भारती ने प्रो. (डॉ.) दयानंद तिवारी को महाराष्ट्र राज्य का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह निर्णय उत्तर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री व संस्था के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र शुक्ल द्वारा लिया गया। जिन्होंने प्रो. तिवारी की साहित्यिक सेवाओं और प्रशासनिक क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। ज्ञातव्य है कि प्रो. (डॉ.) दयानंद तिवारी वर्तमान में श्री जे. जे. टी. विश्वविद्यालय, के हिन्दी विभाग में प्रोफेसर एवं शोध आचार्य के रूप में कार्यरत हैं। अबतक उनकी 12 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और उनके मार्गदर्शन में अभी तक 22 विद्यार्थियों को पीएच डी की डिग्री प्राप्त हो चुकी है। वे एक सुप्रसिद्ध साहित्यकार, शिक्षाविद तथा समाजसेवी हैं, कई राष्ट्रीय दैनिकों में उनके साप्ताहिक स्तंभ वर्षों से प्रकाशित हो रहे हैं। शिक्षा, हिन्दी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें अब तक महाराष्ट्र राज्य का प्रतिष्ठित राज्य शिक्षक पुरस्कार एवं साहित्य अकादमी पुरस्कार के साथ कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, प्रो. तिवारी भाजपा मुंबई के प्रवक्ता, मध्य रेल के डीआरयूसीसी सदस्य, महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। साथ ही, वे पूर्वांचल महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के दायित्व का भी निर्वहन कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री, मुंबई भाजपा के अध्यक्ष आशीष शेलार, विधायक श्री संजय उपाध्याय, सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्री पवन त्रिपाठी, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ रामजी तिवारी, महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति की कार्यकारी अधिकारी डॉ अलका पोतदार, महाराष्ट्र राज्य हिंदी शिक्षक महामंडल के संस्थापक ता का सूर्यवंशी, समाजसेवी रवींद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्रो दयानंद तिवारी मूलतः उत्तर प्रदेश के कमालपुर मुबारकपुर पिकार, अंबेडकर नगर, के मूल निवासी हैं। श्री तिवारी की इस नियुक्ति से महाराष्ट्र में हिन्दी भाषा एवं साहित्य के प्रचार-प्रसार को नई गति मिलने की उम्मीद है।

वडाला भक्ति पार्क टी20 टूर्नामेंट में WBC टीम बी बनी विजेता

मुंबई(उत्तरशक्ति)। 14 मार्च 2025 शुक्रवार को वडाला भक्ति पार्क क्रिकेट क्लब रंग,उमंग, प्रेम उल्लास और सामाजिक समरसता , प्रेम सद्भावना, विविध रंगों से परिपूर्ण महापर्व होली के शुभ अवसर पर टी20 टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें WBC ए टीम, और WBC बी टीम के बीच मुकाबला खेला गया, टीम ए ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया, बल्लेबाजी करने उतरी बी टीम ने 20 ओवर में 140 रन का टारगेट दिया, टारगेट करने उतरी टीम ए ने बीस ओवर में 128 रन ही बना पाई इस तरह से यह होली सेलिब्रेशन ट्रॉफी टीम बी के कप्तान इंद्रदेव यादव ने अपने नाम कर लिया। WBC टीम बी के कप्तान इंद्रदेव यादव को प्रथम विजेता ट्रॉफी और टीम ए के कप्तान उमेश कुमार यादव,को रनरअप ट्रॉफी वडाला भक्ति पार्क क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद एवं पूर्व अध्यक्ष डॉ पुष्कर शिकारखाने के हाथों द्वारा सम्मानित किया गया। सबसे बेस्ट गेंदबाज अनुराग सिंह एवं अरविंद राजभर, और मैंन ऑफ द मैच सबसे बेस्ट खिताब बेहतरीन बल्लेबाज कमलेश कुमार सिंह को देकर सम्मानित किया गया।होली सेलिब्रेशन टी20 टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ियों ने खूब एंजॉय किया खुशियों का त्यौहार में जलेबी,समोसा मिठाइयां,फल फूल सभी प्रकार के मेवे पकवान वितरित किए गए जिसमें सभी खिलाड़ी ने अपने-अपने सहयोग किए, आयोजित करने के लिए WBC की कमेटी सदस्यों ने बेहतरीन तरीके से आयोजन किया बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने वाले एवं सभी प्रकार के सामानों को व्यवस्थित करने वाले टीम के जुझारू कार्यकर्ता कमलेश कुमार सिंह अनुराग सिंह, ज्ञानेश्वर, विकास,कन्हैया, रूगल ,गोविंद, गजा,सुजीत,आशीष यादव हसन शेख उमेश यादव और एंटो पूथूर अशोक कुमार नाविक, ध्रुव निषाद, अर्जुन सिंह ,पार्थ, शत्रु ,सभी खिलाड़ियों ने अपना-अपना अच्छा योगदान दिया हइउ स्पोर्ट्स कमेटी सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हैं।

जनमानस को बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराए सरकार : भरत शुक्ला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सायन कोळीवाड़ा मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला ने कहा है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में सुधार करके देश को आर्थिक रूप से सुदृढ़ किया जा सकता है। भरत भाई शुक्ला ने कहा कि भारत सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में अनाज दे रही हैं, भारत मे गरीबी 29.13 प्रतिशत से घटके 11.28 तक हो गई है, जबतक उनकी हालत ठीक नहीं होती तब तक उन्हीं लोगो को हर तरह की मदद की जरूरत है, और उनका ख्याल रखा जाए। उन्होंने कहा कि उस योजना से बची हुई रकम को शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए खर्च किए जाए जिस से स्कूल , कॉलेजो में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा दी जा सके और प्राथमिक शिक्षा को हेरो एण्ड कैम्ब्रिज जैसा बना सके मुफ्त अनाज बांटने का बजट दो लाख पांच हजार दो सौ पचास करोड़ (2,05,250) का है। भारत के लोगों का दुर्भाग्य है कि केंद्र और राज्य कि सरकारें गरीबों को प्राथमिक शिक्षा से यूनिवर्सिटी तक उच्च शिक्षा और उच्च स्वास्थ्य सेवा दें नहीं पा रही है। भरत भाई शुक्ला ने कहा कि दक्षिण कोरिया दूसरे विश्व युद्ध के दौरान बहुत ही गरीब देश था उसने अद्भुत आर्थिक प्रगति की है, और उसने अपने देश के लोगो को सर्वोत्तम शिक्षण और स्वास्थ्य/आरोग्य सेवा देके आर्थिक चमत्कार कर दिखाया है, जिसका अनुकरण चीन करने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि उसी तरह फर्टिलाइजर डिपार्टमेंट का सबसिडी देनेका बजट एक लाख चौसठ हजार एक सौ इक्यावन करोड़ रुपए का है ।हम सभी को विदेशी खाद की जगह देसी खाद का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना चाहिए ।विदेशी खाद से होने वाले नुकसान (आर्थिक /शारिरिक नुक्सान)के बारे मे सभी को जानकारी होते हुए हम सब चुप क्यों हैं....? इसके लिए सरकार जिम्मेदार हैं। भारत में सभी जगह ऑर्गेनिक खेती की जानी चाहिए।

युवा ब्रिगेड एसोसिएशन द्वारा आयोजित होली हुड़दंग संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हरजु गरजु संघ एवम युवा ब्रिगेड एसोसिएशन द्वारा होली हुड़दंग का आयोजन भान बाई निवास, गांधी रोड, मुलुंड पश्चिम पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध लोकगीत गायक नरेंद्र भारती, राजीव रंजन, गायिका गुडिया सिंह, निशा सिंह, एवं टीम, मोती, मनोज, नमी, राकेश, अतुल उपाध्याय ने होली गीतों, लोक गीतों से सभी का भरपूर मनोरंजन किया। आयोजक डॉ.बाबूलाल सिंह एवं डॉ. सचिन सिंह ने सभी लोगों का गुलाल लगाकर, गले मिलकर, पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। वरिष्ठ समाज सेवी बीरेन्द्र पाठक का जन्म दिवस धूमधाम से नाच गाकर मनाया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सुनील गंगवानी(महासचिव मुंबई कांग्रेस), वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. आर.आर. सिंह,भाजपा नेता विजय यु. सिंह, आर.डी. यादव, विनोद कांबले, राजपूत, मनसे व्यापार सेल ठाणे जिलाध्यक्ष राकेश जैन, राकांपा अध्यक्ष एड. अमित पाटील, कन्हैयालाल गुप्ता, उत्तर भारतीय सेल के महासचिव दयाशंकर सिंह, डॉ. आर.एम.पाल, उपाध्यक्ष संतोष विश्वकर्मा, मोहनलाल राज, बबिता गुप्ता, शरीफ खान, राजन उटवाल, अश्विनी पोचे, समाज सेवक एड. संतोष दुबे, एड. सत्यम दूबे, रमेश जायसवाल, रमेश सिंह, हेमंत बापट, पत्रकार अनिल शुक्ला, अविनाश पांडेय, मनीष पाठक, छोटेलाल शर्मा, अरविंद बिन्द, सुलभ जैन, ए. आर. पांडेय, संतोष जैसवार, समाज सेवी सदानंद भट्ट, अमित गुप्ता, संतोष तिवारी, कीर्ति शाह, विजय ठक्कर, शिवनारायण जायसवाल, विपुलगोगरी, महेश पाटील, गया प्रसाद गुप्ता, रामराज सिंह, प्रेम साखला, तिलबहादूर सोनार, रंजीत गुप्ता, दीनानाथ यादव, हीरालाल भणगे, मैथ्यु चेरियन, दयाशंकर पाल, प्रवीण झा, बाबु चौधरी, रविन्द्र अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के आयोजन में शीतला प्रसाद सिंह, मोहित सिंह, राजेश सिंह, सुरेंद्र मिश्रा, राजु गुप्ता, नवीन सिंह, राकेश मिश्रा, योगेन्द्र श्रीवास्तव, भोलानाथ सिंह, धर्म देव सिंह, प्रदीप सिंह का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

होली गीतों और ठंडई के साथ लल्लन तिवारी के घर चढ़ा होली का रंग

भाईंदर(उत्तरशक्ति)। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी भायंदर पूर्व के जेसलपार्क स्थित राहुल बंगला में भोर भ्रमण परिवार द्वारा फाग गीतों और ठंडई के बीच रंगारंग होली का त्यौहार मनाया गया। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने जमकर आनंद उठाया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही की खुद लल्लन तिवारी ने ‘होली खेले रघुवीरा अवध में.....’, गीत गाकर सबको आनंदित कर दिया। प्रोफेसर विजय नाथ मिश्र, बृजेश तिवारी, मनोज मिश्रा, कमलेश उपाध्याय, उपेंद्र पांडे ,एडवोकेट हरिनाथ शर्मा और रामभवन त्रिपाठी के गाए फाग गीतों ने उपस्थित लोगों को आनंद से सराबोर कर दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट आरजे मिश्रा ने अपने खास अंदाज में जमकर ठुमके लगाए। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में वरिष्ठ समाजसेवी दिनेश उपाध्याय, पुरुषोत्तम पांडे, बी आर मिश्रा, प्रभाकर मिश्रा, ब्रिजमणि दुबे, अभय राज चौबे, एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, डॉ मयूर दुबे, डॉ उमेश शुक्ला, उपेंद्र सिंह, शिव बहादुर सिंह, त्रिभुवन दुबे,शास्त्री राकेश मणि त्रिपाठी, राजीव मणि त्रिपाठी, शिव पांडे, पत्रकार रविंद्र उपाध्याय, नीरज तिवारी, राकेश तिवारी, कमलेश तिवारी, अरविंद सिंह, मयूर धुलेरा, प्रदीप सिंह,अजय सिंह, वीरेंद्र शुक्ला समेत अनेक लोगों का समावेश रहा। अंत में श्रीमती कांति लल्लन तिवारी ने समस्त लोगों को आशीर्वाद देकर होली की शुभकामनाएं दी।

हरियाणा नगर निगम चुनाव में भाजपा की जीत : बाबू भाई भवानजी

-प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तर शक्ति)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद अब नगर निगम चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को शानदार जीत दर्ज की। राज्य के 10 में से 9 नगर निकायों में मेयर पद पर पार्टी के उम्मीदवार जीते हैं, जबकि एक सीट पर भाजपा के बागी नेता ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जीत हासिल की है। इस चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सका। इस ऐतिहासिक जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासवादी विजन की जीत है। बाबुभाई भवानजी ने आज एक बयान में कहा कि हरियाणा निकाय चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक विजय के लिए मैं जनता का अभिनंदन करता हूं। यह जीत राज्य में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही सरकार के विकास कार्यों के प्रति जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास की अभिव्यक्ति है। मैं प्रदेश के लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि भाजपा के लोग उनकी उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ने वाले हैं। इस महाविजय में पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम की बड़ी भूमिका रही है, जिसके लिए मैं उनकी हृदय से सराहना करता हूं। उधर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भी पार्टी के इस शानदार प्रदर्शन पर खुशी जताई। उन्होंने एक्स पर लिखा, ‘हरियाणा को है सिर्फ मोदी पर विश्वास। हरियाणा विधानसभा में प्रचंड जीत के बाद नगर निगम और नगर निकाय चुनावों में भी भाजपा को अपना आशीर्वाद देने के लिए हरियाणा की जनता का बहुत-बहुत आभार। भवानजी ने बताया कि मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा, वार्ड से लेकर विधानसभा और पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक लोगों की पहली पसंद बन चुकी है। इस जीत के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली और सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं। और आने वाली मुंबई महानगर पालिका चुनाव मे कमल खिलेगा।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com